हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार, 1 जून, 2025

11 सीएम फ्लाइंग ने किरढान में दूध डेयरी पर की रेड...

11 कारगिल युद्ध के शहीद कृष्ण कुमार को किया नमन...

खबर संक्षेप

रंजिश के चलते युवक की पीट-पीटकर हत्या

सिरसा। जिला के गांव रूपावास में पारिवारिक रंजिश में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर आधा दर्जन के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार गांव रूपावास में सांवरा के चचेरे भाई ईश्वर का पड़ौसी रोहताश की बेटी से संपर्क था। दोनों घर से भाग गए और इन दिनों लिव इन रिलेशन में रह रहे बताए जाते है।

ठगों ने युवक के खाते से 35 हजार किए ट्रांसफर

फतेहाबाद। साइबर ठगों ने रतिया के गांव बीराबदी के एक युवक को अपने जाल में फंसाते हुए उसे बैंक खाते से 35 हजार रुपये निकाल लिए। पीड़ित युवक द्वारा इस बारे शिकायत दर्ज करवाई गई जिस पर पुलिस ने अज्ञात ठग के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव बीराबदी निवासी संगीत सिंह ने कहा है कि गत दिवस अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी करते हुए यूपीआई के माध्यम से उसे बैंक खाते से 35 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए हैं।

आईटीआई ओढ़ा में ऑनलाइन आवेदन 6 से

ओढां। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ओढ़ा में सत्र 2025-26 ऑनलाइन दाखिला 6 जून से शुरू हो रहे हैं। जानकारी देते हुए आईटीआई के प्राचार्य राजिंदरपाल सिंह ने बताया कि कौशल विकास एंव औद्योगिक प्रशिक्षण निदेशालय, हरियाणा के अनुसार राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दाखिले हेतु दिनांक 6.6.25 से 20.6.25 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

तीन लाख की नकदी लेकर युवक फरार

सिरसा। मेडिकल एजेंसी की दुकान का कारिंदा 3 लाख रुपए की नगदी लेकर फरार हो गया। पुलिस को दी शिकायत में ग्रेवाल कॉलोनी निवासी गौरव कुमार ने बताया कि उसके मकान के पीछे ही उसकी श्रीराम इंटरप्राइजिज के नाम से मेडिकल एजेंसी है। उसने बताया कि दुकान पर काम करने के लिए उसने कई लड़के रखे हुए हैं। बीती 28 मई की दोपहर को 3 लाख रुपए एचडीएफसी बैंक में जमा करवाने के लिए भेजा था, लेकिन वह न तो बैंक पहुंचा और न ही वापस एजेंसी में।

संत कबीर जयंती पर कार्यक्रम 11 जून को

सिरसा। सिरसा में आगामी 11 जून को संत कबीर की 628वीं जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया जाएगा जिसमें हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी शामिल होंगे। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय धानक समाज चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में होगा। कार्यक्रम में हरियाणा के अलावा पंजाब व राजस्थान से भी काफी संख्या में लोग पहुंचेंगे।

बिश्नोई मंदिर में जांभाणी संस्कार शिविर कल से

सिरसा। बिश्नोई मंदिर में जांभाणी संस्कार शिविर का आयोजन बिश्नोई सभा सिरसा व जांभाणी साहित्य अकादमी बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में 2 जून से 8 जून तक आयोजित किया जाएगा। प्रचार सचिव डॉ. मनीराम सहारण ने बताया कि इस शिविर में सिरसा शहर व आसपास के क्षेत्र के बच्चे भाग लेंगे। यह शिविर प्रातः 8 बजे से शाम 5 बजे तक होगा।

महिला 20.54 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार

डबवाली। सीआईए डबवाली पुलिस ने गश्त के दौरान गांव गदराना क्षेत्र से एक महिला को 20.54 ग्राम हैरोइन सहित काबू किया है। सीआईए डबवाली प्रभारी राजपाल ने बताया एएसआई प्रीतम पुलिस पार्टी के साथ गश्त पर थे। इसी दौरान कार्रवाई की गई।

दोपहर बाद चली धूलभरी आंधी, बारिश से मिली राहत बिजली के पोल व पेड़ गिरे, पानी सप्लाई भी हुई बाधित

3 जून तक पश्चिमी हवाओं के चलते आंधी और बूंदाबांदी की संभावना

तापमान में 4 डिग्री की आई गिरावट, अधिकतम 39 डिग्री व न्यूनतम 27 डिग्री दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

पश्चिमी हवाएं चलने से शनिवार दोपहर बाद धूलभरी आंधी चली और उसके बाद बारिश शुरू हो गई। बारिश आने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। दिनभर तेज धूप से परेशान लोगों को बारिश होने पर कुछ राहत मिली। तेज आंधी चलने से फतेहाबाद के ढाण्ड-आदमपुर रोड, हांसपुर रोड, रतिया व जाखल व क्षेत्र में अनेक पेड़ और बिजली के पोल भी गिर गए। इस कारण शहर व अन्य क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई। बिजली न होने के कारण शहर में पानी सप्लाई भी नहीं हुआ। शनिवार को यहां का तापमान 4 डिग्री गिरकर 39 डिग्री रह गया जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री दर्ज किया गया।

बार-बार पश्चिमी विक्षोभ होंगे सक्रिय

बता दें कि मौसम विभाग ने 27 मई से 3 जून तक पश्चिमी हवाएं चलने से आंधी और बूंदाबांदी की संभावना जता रखी हैं। शनिवार सुबह तेज धूप व उमस से लोग बेहाल थे। पिछले एक सप्ताह से तेज धूप के साथ नमी भी बनी हुई है जिस कारण लोग पसीने से तर-बतर हो रहे हैं। एचएयू हिसार मौसम विभाग ने 27 मई के बाद लगातार बारिश की संभावना जता रखी थी। मौसम विभाग के अध्यक्ष एमएल खिचड़ का कहना था कि इस दौरान बार-बार पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे, जिस कारण बूंदाबांदी व हलकी बारिश होगी। हालांकि शनिवार को प्रदेश के अन्य हिस्सों में अच्छी बारिश हुई लेकिन फतेहाबाद इससे वंचित रहा। खिचड़ के अनुसार 2 जून तक हवाओं में बदलाव होने से उत्तर पूर्वी से पश्चिमी हवाएं चलेंगी। इससे तापमान में बढ़ोतरी तो होगी ही, साथ में बादलवाही भी रहेगी। 2 जून से पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 4 जून तक ज्यादातर क्षेत्रों में तेज धूलभरी हवाएं चलेंगी। इस दौरान बारिश भी हो सकती है और रात्रि तापमान में गिरावट आएगी।

फतेहाबाद। बरसात के बाद सुहावना हुआ मौसम। *फोटो: हरिभूमि*

क्या कहते है मौसम वैज्ञानिक

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अभी मानसून की रफ्तार ठीक है। जून में कुछ ब्रेक लग सकता है। इसके बावजूद अच्छी बारिश की संभावना है। हरियाणा में मानसून के पहुंचने का सामान्य समय 24 से 29 जून के बीच है। अभी समय से पहले आने के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि, मानसून विभिन्न परिस्थितियों पर निर्भर करता है।

मानसून व बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एसडीएम ने ली बैठक

रतिया। उपमंडलाधीश सुरेश कुमार ने शनिवार को अपने कार्यालय में बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए एवं सम्भावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों की बैठक ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे सभी आवश्यक प्रबंधों को समय रहते पूरा करें। आपसी तालमेल करके अपने क्षेत्र में सभी जल निकासी संसाधनों एवं सडक़ पुलियों का व्यापक सर्वेक्षण करें, उन स्थानों की पहचान करें जो मानसून के दौरान गाद जमा होने, अवरोधों और अतिप्रवाह का कारण हैं उनका उचित समाधान करना सुनिश्चित करे।

पति ने लिया खौफनाक बदला: पत्नी पर 11 बार किया चाकू से प्रहार

लिव-इन में रह रही पत्नी व उसके प्रेमी का हत्यारा पति गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद जिले के शहर टोहाना में एक सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया है। देर रात्रि एक युवक और युवती की चाकू से गोदकर निर्मम हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मृतका के पति को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक ऋतिक और मृतका पूजा पिछले छह महीने से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। पुलिस ने ऋतिक की बहन के बयान पर मृतका पूजा के पति दीपक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पूजा के उकसावे पर दिया वारदात को अंजाम

पुलिस पूछताछ में यह बात सामने आई है कि दीपक को पूजा और ऋतिक के रिश्ते की जानकारी थी और वह इस बात से बेहद नाराज था। शुरुआती जांच से पता चला है कि दीपक पूजा द्वारा उकसाए जाने के चलते इस वारदात को अंजाम देने की बात सामने आई है। दीपक लंबे समय से दोनों को मारने की फिराक में था और इसके लिए रेकी भी कर रहा था। इसी डर के कारण ऋतिक घर में रहने लग गया था, लेकिन आखिरकार दीपक अपने मकसद में कामयाब हो गया।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में पकड़ा गया आरोपी दीपक। *फोटो: हरिभूमि*

2011 में हुई दीपक और पूजा की शादी

डीएसपी मुख्यालय एवं क्राइम संजय कुमार ने बताया कि आरोपी दीपक कुमार उर्फ पंकज की शादी 11 दिसंबर 2011 को पूजा पुत्री महेन्द्र लोट निवासी खरड़वाल, पंजाब से हुई थी। उनके दो पुत्र हैं समीर 8 वर्ष और अमन 7 वर्ष। चौंकाने वाली बात यह है कि मृतक ऋतिक और आरोपी दीपक एक-दूसरे के दोस्त थे। ऋतिक का दीपक के घर आना-जाना था और इसी दौरान पूजा और ऋतिक के बीच बातचीत शुरू हुई। धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई। समय बीतने पर दीपक की पत्नी पूजा के संबंध ऋतिक पुत्र नवीन मेहता निवासी जमालपुर शेखा, वर्तमान अम्बेडकर चौक, टोहाना से बन गए। पूजा और ऋतिक घर से भाग कर रिलेशनशिप में रहने लगे। दोनों कुछ समय के लिए पटियाला में एक किराए के मकान में साथ रहे और फिर 13 दिसंबर 2024 को टोहाना लौटकर अम्बेडकर चौक में एक साथ रहने लगे। यह संबंध ही इस दुखद घटना की जड़ बना।

क्या कहा थाना प्रभारी ने

टोहाना थाना प्रभारी इंस्पेक्टर प्रहलाद सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतक ऋतिक की बहन चेरी के बयान पर आरोपी दीपक के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने दीपक को हिरासत में ले लिया है और उससे गहनता से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस वारदात में कोई और भी शामिल था। या दीपक ने अकेले ही इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

फतेहाबाद। मृतक युवक-युवती व घर के बाहर बिखरा खून। *फोटो: हरिभूमि*

दोहरे हत्याकांड के चलते पूरे इलाके में सनसनी

टोहाना स्थित तिलकनगर इलाके में शुक्रवार देर रात्रि एक युवक और युवती की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। इस दोहरे हत्याकांड के चलते पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने मृतक 26 वर्षीय ऋतिक की बहन के बयान पर 31 वर्षीय मृतका पूजा के पति दीपक के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। यह घटना लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे एक जोड़े के दुखद अंत को दर्शाती है और समाज में कई सवाल खड़े करती है।

युवक की मौके पर मौत, युवती की अस्पताल ले जाते समय गई जान

घायल होने के बाद ऋतिक का अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। उधर, आरोपी दीपक ऋतिक को घायल करने के बाद भी नहीं रुका। उसने पूजा को भी निशाना बनाया और उस पर ताबड़तोड़ चाकू से वार करता रहा। बताया जा रहा है कि दीपक ने पूजा के शरीर पर 11 जगहों पर चाकू मारे, जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गई। वारदात की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर जमा हो गए। लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को नागरिक अस्पताल ले जाने का प्रयास किया, लेकिन अस्पताल ले जाते समय ही पूजा की भी रास्ते में मौत हो गई। इस घटना ने एक बार फिर रिश्तों की जटिलता और उससे उपजे हिंसक परिणामों को सामने ला दिया है।

घर के बाहर टहलते समय दिया वारदात को अंजाम

मिली जानकारी के अनुसार देर रात्रि ऋतिक और पूजा अपने घर के बाहर टहलने के लिए जा रहे थे वहीं आरोपी दीपक कुमार अपने पुत्र समीर के साथ पूनिया फैक्ट्री वाली गली से गुजर रहा था। तभी सामने से मोटरसाइकिल पर पूजा और ऋतिक आते दिखाई दिए। बेटे समीर ने मोटरसाइकिल को रुकवाया और उसी दौरान दीपक ने पहले से अपने कपड़ों में छुपाया हुआ चाकू निकालकर पहले पूजा पर हमला किया, फिर ऋतिक पर ताबड़तोड़ वार किए। प्रत्यक्षदर्शियों और सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, दीपक ने सबसे पहले ऋतिक पर चाकू से हमला किया।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में पकड़ा गया युवक।

आईपीएल में सट्टा लगाते युवक को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- हंस मार्किट में फर्स्ट फ्लोर पर स्थित एक दुकान पर पुलिस ने की कार्रवाई

क्राइम ब्रांच फतेहाबाद की टीम ने हंस मार्किट में फर्स्ट फ्लोर पर स्थित एक दुकान पर शुक्रवार रात को छापेमारी कर एक युवक को आईपीएल मैच पर क्रिकेट सट्टा लगाते काबू किया है। पकड़े गए युवक की पहचान गगन कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी शिव नगर फतेहाबाद के रूप में हुई है। इस मामले में युवक से पूछताछ के आधार पर पुलिस ने शनिवार को उसके दो साथियों ढाणी ईसर निवासी सूरज ढाका पुत्र मुंशीराम ढाका व जतिन गर्ग पुत्र सतपाल निवासी अग्रवाल कालोनी, भट्टू रोड फतेहाबाद के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। क्राइम ब्रांच फतेहाबाद पुलिस की टीम एसआई संजय कुमार के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। इस दौरान टीम को सूचना मिली कि आईपीएल में मुम्बई इंडियन और गुजरात के बीच पहली पारी का मैच शुरू हुआ है। गांव ढाणी ईसर निवासी सूरज ढाका पुत्र मुंशीराम ढाका की हंस मार्किट में प्रथम मंजिल पर स्थित दुकान पर उसका मुनीम गगन कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी शिव नगर फतेहाबाद विभिन्न ऐपों के माध्यम से मैच चलाकर क्रिकेट सट्टा खाईवाली का काम कर रहा है और आमजन से धोखाधड़ी से पैसे ऐंठ रहे हैं। इस सूचना पर देर रात को हंस मार्किट स्थित दुकान पर पहुंची तो देखा कि दुकान में बैड पर बैठकर एक युवक वाईफाई के जरिए एलईडी पर जियो हॉटस्टार चैनल पर मुम्बई और गुजरात के बीच दूसरी पारी का मैच चलाकर मोबाइल फोन पर क्रिकेट सट्टा लगवा रहा था।

फतेहाबाद। बीजेपी जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपते स्वर्णकार सभा के सदस्य।

मैडिकल कॉलेज व स्वर्णकार हस्तकला बोर्ड स्थापित करने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

- फतेहाबाद में बीजेपी जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

स्वर्णकार सभा फतेहाबाद का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को बीजेपी जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष एवडोकेट प्रवीण जोड़ा से मिलने पहुंचे। स्वर्णकार सभा के पदाधिकारियों ने सबसे पहले प्रवीण जोड़ा को बीजेपी का जिलाध्यक्ष बनने पर बधाई दी। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल ने फतेहाबाद के नए नागरिक अस्पताल को मेडिकल कॉलेज बनाने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम एक ज्ञापन जिलाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही स्वर्णकार हस्तकलां बोर्ड स्थापित करवाने की भी मांग उठाई। बीजेपी जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने स्वर्णकार समाज के लोगों को विश्वास दिलाया कि उनकी उक्त मांगों को वह मुख्यमंत्री तक अवश्य पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास फतेहाबाद के हर वर्ग का विकास करवाना है। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने बताया कि फतेहाबाद के नए नागरिक अस्पताल को मैडिकल कॉलेज बनाने की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। अब तक 111 संस्थाओं ने उक्त मांग का समर्थन करते हुए मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी फतेहाबादवासियों की इस मांग को अवश्य की पूरा करेंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा, जिला उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष डॉ सुमन बजाज, दलीप सचदेवा सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मसीतां मर्डर मामले में कार्रवाई को लेकर मृतक गुरसेवक का परिवार देगा धरना

सिरसा। जिला के गांव मसीतां में हुए मर्डर मामले में पुलिस की ओर से उचित कार्रवाई न किए जाने के विरोध में मृतक गुरसेवक का परिवार न्याय की मांग को लेकर किसान संगठनों व सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ एसपी कार्यालय के समक्ष सोमवार को एक दिवसीय सांकेतिक धरना लगाएगा। मृतक गुरसेवक की बहन सतबीर कौर ने बताया कि सांकेतिक धरने के बाद भी अगर पुलिस प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है तो आगामी रणनीति बनाई जाएगी। मामले के अनुसार गुरसेवक के पिता लक्ष्मण सिंह निवासी मसीतां व उसके परिवार से करीब 15 साल पहले सांझे खाते में संजय कटारिया ने जमीन खरीदी दी थी। 2017 में लक्ष्मण की मौत हो गई। लक्ष्मण की मौत के बाद 2019 में जमीन गुरसेवक, उसके भाई व बहनों के नाम कर दी गई। वर्ष 2021-22 में संजय कटारिया ने तहसीलदार डबवाली से मिलकर तकसीम की आड़ में गुरसेवक की मलकीयत वाली जमीन, जो मुख्य रोड पर लगती थी, लक्ष्मण का फर्जी अंगूठा लगाकर जमीन धोखे से अपने नाम करवा ली।

बिना आग के पकवान बनाकर दिखाई कला

हरिभूमि न्यूज ⏭भूना

शांति निकेतन स्कूल में शनिवार को कुकिंग विदाउट फायर प्रतियोगिता करवाई गई। कार्यक्रम का अवलोकन स्कूल के प्रबंध निदेशक जसबीर सिंह बेनीवाल और प्राचार्या वनीता बंसल ने किया। विद्यार्थियों ने बिना गैस या ईंधन के स्वादिष्ट व्यंजन तैयार किए। प्रतियोगिता में छात्र शेरखान ने फ्रूट सलाद, छात्रा काव्या और पूजा ने सैंडविच, वंश ने फटाफट भेल, राज ने डाउनेट, गीतेश और रोहित ने चना चाट, रौनक ने बटरमिल्क, पल्लवी और योगिता ने चोको शेक बनाया। सभी ने अपने व्यंजन साथी विद्यार्थियों और शिक्षकों को परोसे। विद्यार्थियों ने सफाई का पूरा ध्यान रखा। प्लास्टिक का उपयोग नहीं किया गया। निदेशक जसबीर बेनीवाल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थी जीवन के लिए जरूरी कौशल सीखते हैं।

पुलिस गिरफ्त में पकड़ा गया युवक।

मॉक ड्रिल: लघु सचिवालय, बीडीपीओ, नप ऑफिस तथा एमएम कॉलेज में बनाए गए केंद्र

15 मिनट ब्लैकआउट, ड्रोन हमले की सूचना के साथ बजा सायरन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

शनिवार शाम 5 बजे अचानक लघु सचिवालय स्थित मुख्य नियंत्रण कक्ष में एक ड्रोन हमले (काल्पनिक दुर्घटना) की सूचना मिलते ही हडकंप मच गया। सूचना मिलते ही, त्वरित प्रतिक्रिया के तहत फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस को सूचित किया गया और राहत व बचाव कार्य तुरंत प्रभाव से शुरू कर दिया गया। लघु सचिवालय की इमारत को तेजी से खाली कराया गया और घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद एंबुलेंस के माध्यम से नागरिक अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए भेजा गया। गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार यह अभ्यास लघु सचिवालय फतेहाबाद, बीडीपीओ कार्यालय, नगर परिषद कार्यालय तथा एमएम कॉलेज जैसे स्थानों पर केंद्रित रहा। रात 8 बजे फिर से सायरन बजा और लोगों ने अपने घरों, दुकानों की लाइटों को बंद कर ब्लैकआउट कर दिया।

नोडल अधिकारी किया नियुक्त

अतिरिक्त उपायुक्त को लघु सचिवालय तथा जिला का ओवर ऑल इंचार्ज, उपमंडल अधिकारी फतेहाबाद को एमएम कॉलेज, डीडीपीओ को बीडीपीओ कार्यालय तथा नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को नगर परिषद कार्यालय में मॉक ड्रिल को संपन्न करवाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया। संबंधित स्थानों पर आगजनी की घटना का पता लगा तो रेस्क्यू टीम तुरंत एक्शन में आई और स्थानों में पहुंचकर लोगों को बाहर निकाला और चोटिल लोगों को भी आसानी से बाहर निकालते हुए उन्हें प्राथमिक चिकित्सा देते हुए अस्पताल भेजा गया और तुरंत आग पर काबू पाया गया।

चार जगहों पर कार्यक्रम आयोजित

शनिवार को ऑपरेशन शील्ड के तहत शहर फतेहाबाद में सिविल डिफेंस एक्सरसाइज का चार जगहों लघु सचिवालय, बीडीपीओ कार्यालय, नगर परिषद कार्यालय तथा एमएम कॉलेज में आयोजन किया गया। इस दौरान एयर रेड सायरन को एक्टिव किया गया। इसके बाद अग्निशमन विभाग की गाड़ियों का रिस्पांस टाइम चेक किया गया। तत्पश्चात एंबुलेंस आई, जिसके उपरांत ट्रेंड सिविल डिफेंस वॉलिंटियर ने बिल्डिंग के अंदर घायलों की जांच की। मॉक ड्रिल के दौरान 11 घायलों में से मौके पर छह व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार दिया गया।

म्यूचुअल फंड व हेज फंड, दोनों निवेश के विकल्प

- दोनों के उद्देश्यों और रणनीतियां काफी अलग-अलग
- म्यूचुअल फंड सुरक्षित और आम लोगों के लिए सही
- हेज फंड जोखिम भरा, लेकिन हाई रिटर्न वाला विकल्प

हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड और हेज फंड-दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन अलग-अलग सोच और जोखिम के साथ आते हैं। म्यूचुअल फंड को सुरक्षित निवेश के तरीकों में और आम लोगों के लिए जाना जाता है, जबकि हेज फंड जोखिम भरा है, लेकिन यह हाई रिटर्न वाला ऑप्शन बताया जा रहा है। इसलिए इनके बीच में काफी गहरा फर्क है। जब बात निवेश की आती है, तो म्यूचुअल फंड और हेज फंड जैसे शब्द अक्सर सुनने को मिलते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये दोनों निवेश के तरीके हैं, लेकिन बिलकुल अलग अंदाज में काम करते हैं? म्यूचुअल फंड आम निवेशकों के लिए होता है, जो अपने पैसे को सुरक्षित और समझदारी से बढ़ाना चाहते हैं। वहीं हेज फंड उन लोगों के लिए होता है जो थोड़े ज्यादा जोखिम लेकर ज्यादा मुनाफा कमाना चाहते हैं। अगर आप भी ये जानना चाहते हैं कि म्यूचुअल फंड और हेज फंड में क्या फर्क है और आपके लिए कौन सा बेहतर रहेगा, तो आइए इस रिपोर्ट में हम आपको दोनों के बारे में बताते हैं।

होता क्या है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड एक तरह का निवेश का ऑप्शन होता है, जिसमें एक प्रोफेशनल फंड मैनेजर कई निवेशकों से इकट्ठा किए हुए पैसे को है और उसे बॉन्ड, स्टॉक्स और अन्य सिक्योरिटीज जैसे विविध प्रकार की संपत्तियों में निवेश करता है। म्यूचुअल फंड का उद्देश्य इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स को ऐसे डायवर्सिफाइड और प्रोफेशनल तरीके से मैनेज पोर्टफोलियो तक पहुंच प्रोवाइड करना होता है, जिन्हें वे अकेले नहीं खरीद पाते हैं। म्यूचुअल फंड खासकर शुरुआती निवेशकों या उन लोगों के लिए उपयुक्त होते हैं जो निवेश में ज्यादा शामिल होना नहीं चाहते। यदि आपकी निवेश अवधि लंबी है और जोखिम लेने की क्षमता कम है, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए फाइनेंशियल मार्केट में शामिल होने का आसान तरीका है, भले ही आपको इस सेक्टर में ज्यादा जानकारी न हो।

क्या होता है हेज फंड

हेज फंड एक तरह का खास इन्वेस्टमेंट ऑप्शन होता है, जिसमें केवल अमीर और अनुभवी निवेशक पैसा लगाते हैं। यह फंड अलग-अलग और थोड़ी कॉम्प्लेक्स स्ट्रेटजी से ज्यादा फायदा कमाने की कोशिश करता है। हेज फंड वाले ज्यादा जोखिम उठाते हैं और वे उधार लेकर या मार्केट में शॉर्ट सेलिंग जैसी तरकीबों का इस्तेमाल करते हैं, ताकि ज्यादा मुनाफा कमाया जा सके। ये फंड ज्यादा नियमों से बंधे नहीं होते और इसलिए इनके काम करने का तरीका म्यूचुअल फंड से अलग होता है। हेज फंड उन लोगों के लिए है जो बड़ा पैसा लगाना चाहते हैं और जोखिम लेने को तैयार हैं।

म्यूचुअल फंड्स और हेज फंड्स में अंतर

- **ऑब्जेक्टिव :** म्यूचुअल फंड्स का मकसद निवेशकों को सुरक्षित और लगातार रिटर्न देना होता है। इसके लिए वे पैसा कई कंपनियों में लगाते हैं। हेज फंड्स का मकसद ज्यादा मुनाफा कमाना होता है, भले ही इसके लिए जोखिम उठाना पड़े।
- **इनवेस्टर बेस :** म्यूचुअल फंड्स में कोई भी आम व्यक्ति निवेश कर सकता है। हेज फंड्स में सिर्फ ज्यादा पैसा वाले या अनुभवी निवेशक ही पैसा लगा सकते हैं।
- **मैनेजमेंट :** म्यूचुअल फंड्स को नियमों के अनुसार प्रोफेशनल लोग संभालते हैं। हेज फंड्स को ज्यादा आजादी होती है और इन्हें कम निगरानी में चलाया जाता है।
- **इनवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी :** म्यूचुअल फंड्स में पैसा सुरक्षित और अलग-अलग जगहों पर लगाया जाता है। हेज फंड्स जोखिम लेकर जटिल और आक्रामक तरीके अपनाते हैं।
- **लिक्विडिटी :** म्यूचुअल फंड्स से आप किसी भी दिन पैसा निकाल सकते हैं। हेज फंड्स में अक्सर लॉक-इन पीरियड होता है, यानी कुछ समय तक पैसा नहीं निकाल सकते।
- **फीस :** म्यूचुअल फंड्स में फीस कम होती है और पहले से तय होती है। हेज फंड्स में फीस ज्यादा होती है और मुनाफे पर बेस्ड भी हो सकती है।
- **रेग्युलेशन :** म्यूचुअल फंड्स पर सख्त सरकारी नियम लागू होते हैं और ट्रांसपेरेंसी बनी रहती है। हेज फंड्स पर कम नियम होते हैं और जानकारी कम मिलती है।
- **निवेश रणनीति :** म्यूचुअल फंड आमतौर पर अधिक पारंपरिक निवेश रणनीतियों का उपयोग करते हैं, जबकि हेज फंड अधिक आक्रामक और उच्च जोखिम वाले रणनीतियों का उपयोग करते हैं।
- **जोखिम स्तर :** म्यूचुअल फंड आमतौर पर कम जोखिम वाले होते हैं, जबकि हेज फंड उच्च जोखिम वाले हो सकते हैं।
- **निवेशक योग्यता :** म्यूचुअल फंड अधिक निवेशकों के लिए उपलब्ध होते हैं, जबकि हेज फंड अक्सर उच्च नेटवर्थ वाले निवेशकों के लिए आरक्षित होते हैं।
- **अंततः,** म्यूचुअल फंड और हेज फंड दोनों में निवेश करने से पहले अपने निवेश लक्ष्यों, जोखिम सहनशीलता, और वित्तीय स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है।

एसआईपी में ज्यादा रिटर्न चाहिए तो पांच चीजों पर कर लें फोकस

- एसआईपी पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करना बेहद जरूरी
- आप कभी निवेश करके 'भूल जाने' की आदत न डालें
- अपनी ज़रूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में बदलाव करते रहे

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी एक निवेशक हैं या निवेश करने जा रह रहे हैं तो कुछ बातें अपने पल्ले बांध लें। इससे आप आसानी से अपने पैसे को बढ़ा सकेंगे। कहते हैं तुरंत पैसा बढ़ाने का कोई शॉर्टकट नहीं है, लेकिन धैर्य और संयम के साथ निवेश किया जाए तो आप बेहतर रिटर्न प्राप्त कर मोटा पैसा बना सकते हैं। यदि आप सीधे शेयर बाजार में इन्वेस्ट करने का जोखिम नहीं लेना चाहते, तो म्यूचुअल फंड आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यहां आपका जोखिम कुछ हद तक कम हो जाता है। अगर आप एकमुश्त बड़ी रकम निवेश करने में सक्षम नहीं हैं, तो सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। एसआईपी में आप हर महीने एक छोटी रकम निवेश कर सकते हैं। आज हम आपको 5 ऐसी बातें बताने जा रहे हैं, जिनका ध्यान रखकर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड से अच्छा रिटर्न कमा सकते हैं।

निवेश में देरी न करें

एसआईपी का एक सबसे बड़ा फायदा कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि ब्याज) की पावर है। आप जितनी जल्दी निवेश करना शुरू करेंगे, उतना ही बड़ा फंड बना पाएंगे। इससे आप छोटे निवेश से भी समय के साथ बड़ी पूंजी जमा कर सकते हैं। देरी से शुरुआत करने का मतलब है कंपाउंडिंग का पूरा फायदा न ले पाना। इसलिए समय रहते निवेश की प्लानिंग करें। जितना जल्दी हो सके निवेश की प्लानिंग करें और उसे बढ़ाते जाएं। इससे आप आसानी से अपना पैसा बढ़ा पाएंगे।

हमेशा अनुशासित रहें

अक्सर बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, जो निवेशकों को परेशान करने वाले हो सकते हैं, लेकिन एसआईपी में सफलता की कुंजी अनुशासित रहना है। बाज़ार में गिरावट के दौरान भी अपने निवेश को जारी रखने से आप कम कीमतों पर अधिक यूनिट खरीद सकते हैं, जिससे समय के साथ आपकी खरीद लागत का औसत निकल जाता है (इसे रुपया लागत औसत भी कहते हैं)। घबराकर निवेश बंद न करें। बाजार में उतार-चढ़ाव से परेशान न हों, बल्कि जब बाजार में गिरावट आए तो अपने निवेश को और बढ़ाने का प्रयास करें। उससे भागने का प्रयास न करें। एसआईपी के जरिये निवेश आपके लिए काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

धीरे-धीरे एसआईपी की रकम बढ़ाएं (स्टेप-अप एसआईपी)

जैसे-जैसे आपकी आय बढ़े, अपनी एसआईपी की रकम बढ़ाने पर विचार करें। यह स्टेप-अप दृष्टिकोण आपको म्यूचुअल फंड की पूरी क्षमता का लाभ उठाने में मदद कर सकता है। साथ ही, यह सुनिश्चित करता है कि आपका निवेश महंगाई और आपके बढ़ते वित्तीय लक्ष्यों के साथ तालमेल बनाए रखे। स्टेप-अप एसआईपी एक प्रकार की सिस्टमेटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) है जिसमें निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ाने का विकल्प चुन सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी के फायदे

- **वृद्धि के साथ निवेश :** स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक अपनी आय में वृद्धि के साथ निवेश की जाने वाली राशि को बढ़ा सकते हैं।
- **लंबी अवधि के लिए उपयुक्त :** स्टेप-अप एसआईपी लंबी अवधि के लिए उपयुक्त है, क्योंकि इसमें निवेशक अपने निवेश को बढ़ाते हुए लंबी अवधि में अधिक रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं।
- **नियमित निवेश :** स्टेप-अप एसआईपी में निवेशक नियमित अंतराल पर निवेश करते हैं, जिससे उन्हें अनुशासन में रहने में मदद मिलती है।

सही फंड का चुनाव करें

देखा जाए तो सभी म्यूचुअल फंड एक जैसे नहीं होते। सबका प्रदर्शन और रिटर्न अलग-अलग होता है। ऐसे में आपको पिछले प्रदर्शन, एक्सपेंस रेश्यो (फंड चलाने का खर्च) और फंड मैनेजर की विशेषज्ञता के आधार पर विभिन्न फंडों पर रिसर्च करनी चाहिए। ऐसे फंड चुनें जो आपके जोखिम लेने की क्षमता और निवेश लक्ष्यों से मेल खाते हों, चाहे वे इक्विटी (शेयर), डेट (ऋण) या हाइब्रिड (दोनों का मिश्रण) फंड हों। इससे आप बिना किसी रिस्क के निवेश कर पाएंगे और बेहतर रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे।

अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

निवेश करके 'भूल जाने' की आदत न डालें। अपने एसआईपी पोर्टफोलियो की नियमित समीक्षा करना बहुत जरूरी है। इससे आपको अपने पोर्टफोलियो में ज़रूरत के हिसाब से बदलाव करने में मदद मिलेगी। ऐसे फंड्स पर नज़र रखें जो लगातार अपने बेंचमार्क (तुलना के लिए निर्धारित सूचकांक) से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हों। यदि आपके मौजूदा निवेश खराब प्रदर्शन कर रहे हैं, तो फंड निकालकर किसी बेहतर विकल्प में निवेश करने पर विचार करें। अ

शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव के टेंशन से बचना है तो बॉन्ड में निवेश फायदेमंद

- निवेश का एक सरल नियम यह है कि अपनी उम्र को 100 में से घटाएं
- इसमें जो संख्या बचे, उतना प्रतिशत इक्विटी में और बाकी बॉन्ड में निवेश करें
- बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी शेयर बाजार की उतार-चढ़ाव से परेशान रहते हैं, तो बॉन्ड एक बेहतर और स्थिर निवेश विकल्प साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं, महंगाई और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच बॉन्ड निवेशकों को एक सुनिश्चित और नियमित रिटर्न दे रहे हैं। यही वजह है कि बॉन्ड निवेश खासकर उन लोगों के लिए आकर्षक बनता जा रहा है जो जोखिम से बचना चाहते हैं और स्थिर आय की तलाश में हैं। पिछले तीन महीनों में निफ्टी 50 में 5.4% की गिरावट आई है, जबकि सरकारी और कॉरपोरेट बॉन्ड स्थिर रिटर्न दे रहे हैं।" सरकारी बॉन्ड फिलहाल सालाना 6.2% से 6.8% का रिटर्न दे रहे हैं, जबकि उच्च रेटिंग (एएए) वाले कॉरपोरेट बॉन्ड 6.8% से 7.5% का सालाना रिटर्न दे रहे हैं। दीर्घकालिक निवेशकों के लिए, खासकर वे जो जोखिम से बचना चाहते हैं, बॉन्ड एक सुरक्षात्मक निवेश के तौर पर काम करते हैं। साथ ही, निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए भी यह एक अहम साधन है, जिससे बाजार की अस्थिरता करीब 30% तक कम की जा सकती है।

बॉन्ड रिटर्न में भरोसा बढ़ रहा

इंडिया बॉन्ड्स के सह-संस्थापक विशाल गोयनका के मुताबिक, जब बाजार भू-राजनीतिक तनावों, केंद्रीय बैंक की नीतियों और वैश्विक घटनाओं से प्रभावित हो रहा हो, उस वक्त बॉन्ड निवेश एक स्थिर नकदी प्रवाह और पूंजी संरक्षण प्रदान करता है। इसलिए बॉन्ड निवेशकों के लिए भरोसे का सौदा है। इसमें भले रिटर्न दूसरे विकल्पों से कुछ कम हो, लेकिन कभी भी नुकसान नहीं पहुंचाता। इसलिए भी बॉन्ड में निवेशकों का भरोसा लगातार बढ़ा जा रहा है खाकर उन लोगों में जो जोखिम से बचना चाहते हैं और सुनिश्चित और नियमित रिटर्न चाहते हैं। इसलिए आप भी सुरक्षित निवेश करना चहते हैं तो बॉन्ड आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

आंकड़ों पर एक नजर

2020-2025 के दौरान निफ्टी 50 का कुल रिटर्न 19.8% रहा, लेकिन उतार-चढ़ाव अधिक था। वहीं, सोना ने इसी अवधि में 16.32% का सालाना रिटर्न दिया। 10 साल के सरकारी बॉन्ड का औसत रिटर्न 6.19% और एएए कॉरपोरेट बॉन्ड्स का सालाना औसत रिटर्न 6.9% रहा। 2024-25 में, निफ्टी ने सिर्फ 7.44% रिटर्न दिया, जबकि सोने ने 41.5% और एएए रेटेड कॉरपोरेट बॉन्ड्स ने 8.03% का स्थिर रिटर्न दिया।

जागरूकता की कमी

आज भी बॉन्ड, खासकर युवाओं के बीच, उतने लोकप्रिय नहीं हैं। इसका कारण है अपेक्षाकृत कम रिटर्न, कम प्रचार, और वित्तीय ऐप्स व मीडिया में कम उपस्थिति। युवाओं में ज्यादा रिटर्न की चाहत उन्हें इक्विटी या म्यूचुअल फंड की ओर खींचती है। हालांकि आरबीआई रिटेल डायरेक्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स जैसे इंडिया बॉन्ड्स के माध्यम से अब यह स्थिति बदल रही है।

बॉन्ड बाजार का विकास

भारत में बॉन्ड बाजार तेजी से विकसित हो रहा है। भारत का कुल बॉन्ड बाजार अब $2.69 ट्रिलियन तक पहुंच चुका है। हालांकि अमेरिका जैसे विकसित बाजारों की तुलना में अभी भी तरलता और पहुंच में सुधार की जरूरत है, लेकिन सेबी और अन्य संस्थानों के प्रयासों से यह बदलाव तेजी से हो रहा है।

कितना पैसा बॉन्ड में लगाएं

एक सरल नियम यह है कि अपनी उम्र को 100 में से घटाएं और जो संख्या बचे, उतना प्रतिशत इक्विटी में और बाकी प्रतिशत बॉन्ड व निश्चित आय वाले साधनों में निवेश करें। उदाहरण के लिए, यदि आपकी उम्र 40 है, तो 60% आप इक्विटी में और 40% बॉन्ड जैसे स्थिर निवेश में रख सकते हैं।

क्या है बॉन्ड

बॉन्ड एक प्रकार का वित्तीय साधन है जिसमें निवेशक एक निश्चित अवधि के लिए अपने पैसे उधार देते हैं और बदले में नियमित ब्याज और मूलधन की वापसी प्राप्त करते हैं।

बॉन्ड की विशेषताएं

- **निश्चित आय:** बॉन्ड निवेशकों को नियमित ब्याज की आय प्रदान करते हैं।
- **निश्चित अवधि:** बॉन्ड की निश्चित अवधि होती है, जिसके अंत में मूलधन की वापसी होती है।
- **कम जोखिम:** बॉन्ड आमतौर पर कम जोखिम वाले निवेश विकल्प होते हैं।
- **विविधीकरण:** बॉन्ड पोर्टफोलियो में विविधीकरण लाने में मदद कर सकते हैं।

बॉन्ड के प्रकार

- **सरकारी बॉन्ड:** सरकारी बॉन्ड सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं और इनमें निवेश करने से सरकार को उधार मिलता है।
- **कॉर्पोरेट बॉन्ड:** कॉर्पोरेट बॉन्ड कंपनियों द्वारा

बचत 5 साल में घर खरीदना चाहते हैं या बच्चों की शिक्षा के लिए कर रहे निवेश, फंड एकत्रित कर करना चाहते हैं अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग

ये टिप्स आपकी पूंजी भी बढ़ाएंगे और आपको हाथ नहीं फैलाने देंगे

निवेश के कुछ टिप्स अपनाएं, बना देंगे आपको आत्मनिर्भर
शुरुआत करने से पहले अपने वित्तीय लक्ष्य को स्पष्ट करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करे खुद को आत्मनिर्भर बनाने चाहते हैं या रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे हैं तो निवेश के कुछ अहम टिप्स आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। बस आपको पहले तय करना है कि आप निवेश क्यों कर रहे हैं यानी इस निवेश के पीछे आपका लक्ष्य क्या है। क्या आप 5 साल में घर खरीदना चाहते हैं,बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश कर रहे हैं या फंड एकत्रित कर रिटायरमेंट प्लानिंग करना चाह रहे हैं। जैसे ही आप अपना लक्ष्य तय कर लें तो निवेश के कुछ टिप्स अपनाएं। ये आपकी पूंजी भी बढ़ाएंगे और आपको हाथ नहीं फैलाने देंगे। आज के इस समय में हर कोई आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहता है। अक्सर लोग इंटरनेट पर सवाल पूछते हैं कि अमीर कैसे बने? आप केवल मेहनत से ही नहीं बल्कि स्मार्ट निवेश और वित्तीय अनुशासन में रहकर भी अमीर बन सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपके लिए निवेश के कुछ ऐसे टिप्स लेकर आए हैं, जिससे जिससे ना केवल आपकी पूंजी बढ़ेगी, बल्कि इससे आप आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

सबसे पहले निर्धारित करें लक्ष्य

निवेश की शुरुआत करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्य स्पष्ट होने चाहिए। जैसे कि आप 5 साल में अपना घर खरीदना चाहते हैं, बच्चों की शिक्षा के लिए फंड एकत्रित करना चाहते हैं या फिर रिटायरमेंट प्लानिंग करना चाहते हैं। आपको अपने लक्ष्य के अनुरूप निवेश की शुरुआत करनी चाहिए। आपको अपने छोटे-छोटे वित्तीय गोल और लंबी अवधि के गोल तय करने चाहिए। जैसे 1 से 3 साल के लिए, 3 से 7 साल के लिए और 7 साल से अधिक। इसके बाद ही निवेश करना शुरू करेंगे तो आपके निवेश की चीजें पूरी तरह से स्पष्ट रहेंगी।

बचत को दें प्राथमिकता

यदि आप अमीर बनना चाहते हैं तो अपने वित्तीय गोल बनाने के बाद बचत की शुरुआत करें। इसके लिए हर महीने का बजट बनाएं। अनावश्यक खर्च करने से बचें। बाजार में जाकर चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। आपको हर महीने अपनी आय का काम से कम 20 से 30% बचाना है। आप 50 -30-20 नियम के अनुसार बचत कर सकते हैं। इस नियम के अनुसार अपनी आय का 50% हिस्सा जरूरतों पर खर्च करें, 30% को अपनी इच्छाओं और मनोरंजन जैसे शौक के लिए खर्च करें, बचे हुए 20% से बचत करके उसका निवेश करें। हर महीने निवेश हो सके इसके लिए आप अपने खाते से ऑटोमेटिक निवेश की सुविधा को शुरू कर सकते हैं।

पहले निवेश को समझना जरूरी

आजकल निवेश के कई विकल्प मौजूद हैं, जिनमें से आप अपनी आय और जोखिम लेने की क्षमता का आकलन करके फिर निवेश करें। आप चाहे तो म्युचुअल फंड के एसआईपी में निवेश करके लॉन्ग टर्म में बड़ा फंड जोड़ सकते हैं। इसके अलावा डीमैट खाते में भी निवेश किया जा सकता है, रियल एस्टेट, सरकारी योजनाएं, फिक्स्ड डिपॉजिट आदि विकल्प में निवेश किया जा सकता है।

अपने निवेश को करें डायवर्सिफाई

निवेश के लिए अक्सर विशेषज्ञ भी यह सलाह देते हैं कि निवेश कभी भी एक जगह नहीं किया जाना चाहिए। अपने पैसे को अलग-अलग एसेट क्लास जैसे इक्विटी, डेट, गोल्ड और रियल स्टेट में बांटे। ताकि किसी एक में भी अगर आपको नुकसान हो तो दूसरे विकल्प से उसे समायोजित किया जा सके और आपका निवेश लाभ दे सकें और आपके गोल को पूरा कर सके।

लॉन्ग टर्म निवेश को दें प्राथमिकता

यदि आप अपने निवेश पर बड़ा रिटर्न हासिल करना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करें। क्योंकि लॉन्ग टर्म में चक्रवृद्धि ब्याज का ज्यादा लाभ मिलेगा। आप जितनी जल्दी निवेश की शुरुआत करेंगे उतना ज्यादा आपको लाभ मिलेगा। लॉन्ग टर्म में चक्रवृद्धि ब्याज पैसा बढ़ाने का सबसे बढ़िया तरीका है।

वित्तीय शिक्षा बढ़ाएं

यदि आप चाहते हैं कि आप निवेश की दुनिया में सफल हो पाए तो उसके लिए लगातार सीखते रहें। वित्तीय किताबें, वित्तीय ब्लॉग पढ़ने के साथ ही विशेषज्ञ से भी सलाह ले सकते हैं। रोजाना अखबार भी पढ़ें और न्यूज सुनें। अपने निवेश की समीक्षा भी करते रहें।

इमरजेंसी फंड को ना करे नजरअंदाज

आपके निवेश के साथ-साथ टैक्स बचत और इमरजेंसी फंड बनाने पर भी फोकस करना चाहिए। आपके पास काम से कम 6 से 12 महीने के खर्च के बराबर का इमरजेंसी फंड होना चाहिए। इससे आप आपात स्थिति से निपट सकते हैं।

अनुशासित रहें और धैर्य रखें

यदि आप वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करना चाहते हैं बड़ा गोल हासिल करना चाहते हैं तो इसके लिए जरूरी है कि निवेश के प्रति अनुशासित और धैर्यवान रहें। अपने निवेश को हर साल बढ़ाते जाएं। इससे आप कम समय में ही अपना पैसा बढ़ाकर आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

अपने और परिवार के लिए खरीदे इंश्योरेंस

भारत में आज भी कई लोगों के पास मेडिकल इंश्योरेंस नहीं है, जिसके कारण मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में कई लोगों का पूरा बैंक अकाउंट और निवेश खाली हो जाता है। यहां तक की कई बार कर्ज लेने की भी नौबत आ जाती है। ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपने और अपने परिवार के लिए मेडिकल इंश्योरेंस जरूर लें।

खबर संक्षेप

सेवानिवृत्त हुए चालक राज कुमार

सिरसा। सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग से चालक राज कुमार सेवानिवृत्त हो गए हैं। सेवानिवृत्ति पर विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों ने उन्हें विदाई दी। उल्लेखनीय है कि चालक राज कुमार ने वर्ष 2013 में विभाग में अपनी सेवाएं शुरू की थी। उनकी सेवानिवृत्ति पर विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। डीआईपीआरओ रामनाथ ने उनके कार्यों व सेवाओं की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की शुभकामनाएं दी।

विद्यार्थियों ने पेश किए बेहतरीन मॉडल

सिरसा। सेठ सागरमल सुराणा जैन कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में वैज्ञानिक सोच को आगे बढ़ाने के उद्देश्य के लिए विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट से लेकर सोलर सिस्टम और अन्य कई बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत किए। इसमें कक्षा 6वीं से 10वीं के विद्यार्थियों ने फंक्शन ऑफ किडनी, फूड वेस्ट मैनेजमेंट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, प्लांट सेल, वॉटर प्यूरीफायर इत्यादि मॉडल को बनाकर अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

दो युवकों को हेरोइन सहित किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। नशामुक्त अभियान के तहत पुलिस ने रतिया क्षेत्र से दो युवकों को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। हरियाणा राज्य नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो फतेहाबाद की टीम एएसआई सूर्यकांत के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ को लेकर गश्त पर थी। पुलिस टीम जब फतेहाबाद से गांव अयाल्की, अहरवां होते हुए रतिया में हैफेड गोदाम के पास पहुंची तो उन्हें सूचना मिली कि कमलदीप सिंह पुत्र सुमेर सिंह निवासी वार्ड नं. 3, पुराना बाजार रतिया व बिन्द्र पुत्र कश्मीरी लाल निवासी कलंदरगढ़ दोनों मिलकर नशा तस्करी का धंधा करते हैं। टोहाना रोड पर पंजाब नेशनल बैंक के पास दोनों युवक स्कूटी लेकर नशीला पदार्थ लिए खड़े हैं और बेचने की फिराक में है। इस सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर जाकर स्कूटी लिए खड़े दो युवकों को शक के आधार पर काबू किया।

हेरोइन तस्करी के मामले में तीसरा आरोपी काबू

फतेहाबाद। थाना शहर रतिया की टीम ने 6.36 ग्राम हेरोइन बरामदगी के मामले में तीसरे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अजय कुमार पुत्र ढोलू राम निवासी कुकड़ावाली के रूप में हुई है। इस मामले में पूर्व में दो आरोपी—जंगीर कौर उर्फ जंगीरों निवासी ढाणी स्कूल, लांबा हाल निवासी रतिया तथा राहुल निवासी सुखलमपुर को पहले ही पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। थाना शहर रतिया के प्रभारी उप-निरीक्षक रणजीत ने बताया कि एक जनवरी को पुलिस टीम अपराधियों की धरपकड़ हेतु गश्त पर थी। इस दौरान पुलिस को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला टोहाना बाईपास से कलर कॉलोनी, रतिया की ओर जा रही है। पुलिस को देखकर वह घबरा गई और तेजी से चलने लगी। संदेह के आधार पर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से 6.36 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

डेयरी में नहीं मिला वैध लाइसेंस, 7,500 लीटर दूध और 135 किलो मिल्क पाउडर बरामद

सीएम फ्लाइंग ने किरढान में दूध डेयरी पर की रेड, दूध व मिल्क पाउडर के लिए सैंपल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फतेहाबाद/भट्टूकलां

सीएम फ्लाइंग की टीम ने मिलावटी दूध बेचे जाने की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए शनिवार सुबह भट्टू के गांव किरढान में स्थित एक डेयरी पर छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया। सीएम फ्लाइंग की टीम इंस्पेक्टर सुनैना के नेतृत्व में गांव में पहुंची और डेयरी से दूध और उससे बने उत्पादों के सैम्पल लिए। टीम ने यहां से 135 किलो मिल्क पाउडर और 75 सौ लीटर दूध भी बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान टीम को डेयरी में कोई वैध लाइसेंस नहीं मिला, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि डेयरी का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा था। मिली जानकारी के अनुसार गांव किरढान में गांव के ही सुनील द्वारा डेयरी का संचालन किया जाता है। सीएम फ्लाइंग को सूचना मिली थी कि यहां पर दूध में मिलावट करके लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इस सूचना पर सीएम फ्लाइंग टीम ने शनिवार सुबह बड़ी कार्रवाई करते हुए दूध डेयरी पर छापा मारा। यह छापामारी सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना के नेतृत्व में की गई, जिसमें टीम ने मौके से लगभग 7500 लीटर दूध और 135 किलो मिल्क पाउडर बरामद किया। इस चिलिंग प्लांट से एक 2500 लीटर क्षमता के टैंक और पास खड़े एक 5000 लीटर दूध से भरे टैंकर को भी जब्त किया गया है। टीम में इन्चार्ज सुनैना के साथ सब-इंस्पेक्टर जितेंद्र, एएसई सुरेन्द्र, एचसी विजय और खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. आजाद सिंह शामिल रहे। टीम ने मौके से दूध और मिल्क पाउडर के कई नमूने एकत्रित किए, जिन्हें जांच के लिए लैब भेजा गया है। बताया गया है कि यहां से बरामद किया गया पाउडर दूध की मात्रा और गाढ़ापन बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता था। जांच में सामने आया है कि यहां से दूध को पंजाब सहित अन्य स्थानों की डेयरियों में भेजा जाता था। खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और बिना अनुमति चिलिंग प्लांट संचालन के चलते प्लांट संचालक सुनील और टैंकर चालक जगदीश के खिलाफ चालान किया गया है। टीम ने दूध और मिल्क पाउडर के सैम्पल लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। जांच रिपोर्ट में अगर इनमें किसी तरह की मिलावट मिलती हैं तो डेयरी संचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल डेयरी परिसर को सील कर दिया गया है। सीएम फ्लाइंग इंचार्ज सुनैना ने स्पष्ट किया कि मिलावट के खिलाफ यह मुहिम आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि जनता को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है, और ऐसे अवैध कारोबारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाते रहेंगे।

फतेहाबाद। किरढ़ान में दूध डेयरी पर जांच करते सीएम फ्लाइंग टीम के अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

बाइक सवार युवकों ने स्कूटी सवार नाबालिग से छीनी नकदी

सिरसा। शहर के मिनी बाईपास रोड पर बाइक सवार दो युवकों ने स्कूटी सवार नाबालिग से मारपीट कर 800 रुपए छीनकर फरार हो गए। पुलिस को दी शिकायत में तन्मय पुत्र संजय कुमार निवासी चतरगढ़पट्टी ने बताया कि 28 मई रात 8 बजे वह अपनी स्कूटी पर सवार होकर शहीद भगत सिंह स्टेडियम से अपने घर चतरगढ़पट्टी जा रहा था। मिनी बाईपास रोड पर सीडीएलयू के गेट के पास बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। उक्त युवकों ने उसे रोकने की कोशिश की लेकिन वह नहीं रुका।

रतिया में दुकान से हजारों की नकदी चोरी

रतिया। फतेहाबाद रोड पर रिलायंस पंप के पास स्थित पाल सेनेटरी में बीती रात चोरों ने शटर काटकर करीब 15 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। दुकान मालिक धर्मपाल ने बताया है कि कल रात वह अपनी दुकान मंगल करके गए थे। सुबह जब देखा तो चोरों ने रात के समय दुकान का शटर काटकर दुकान में घुस गए और दुकान में रखी नकदी चोरी कर ली। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी खंगालनी शुरू कर दी है। स्थानीय व्यापारियों ने पुलिस से जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। व्यापारियों ने पुलिस से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की भी मांग की है।

सेवानिवृत्ति पर 7 पुलिस अधिकारियों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▸▸| फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस विभाग की ओर से पुलिस लाइन परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग के सात अनुभवी एवं समर्पित पुलिस अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मान विदाई दी गई। सेवानिवृत्त होने वालों में शामिल निरीक्षक महेन्द्र सिंह ने 40 वर्षों तक अनुशासन, ईमानदारी और सेवा भावना की मिसाल पेश की। ईएसआई कुलबीर सिंह ने 33 वर्षों तक कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ सेवा दी। ईएसआई लखबिन्द्र सिंह ने 37 वर्षों तक पुलिस विभाग में कार्य करते हुए महिला सुरक्षा एवं सामाजिक मामलों में उल्लेखनीय योगदान दिया। ईएसआई दलबीर सिंह ने 33 वर्षों की सेवा के दौरान कई महत्वपूर्ण अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाई। ईएसआई महाबीर सिंह ने 33 वर्षों तक अनुशासन, ईमानदारी और सेवा भावना की मिसाल पेश की। ईएएसआई धर्मवीर सिंह ने 36 वर्षों तक अनुशासन, ईमानदारी और सेवा भावना की मिसाल पेश की वहीं ईएचसी सुलखन सिंह ने 18 वर्षों तक अनुशासन, ईमानदारी और सेवा भावना की मिसाल पेश की

फतेहाबाद। सेवानिवृति पुलिस अधिकारियों को सम्मानित करते डीएसपी।

प्रशंसा पत्र व उपहार किए भेंट

इस समारोह की अध्यक्षता पुलिस उप अधीक्षक कुलवंत सिंह ने की। उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि इन अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों का जिस निष्ठा और लगन से निर्वहन किया है, वह पूरे विभाग के लिए प्रेरणास्रोत है। इनकी सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करेगी। समारोह के दौरान सेवानिवृत्त अधिकारियों को स्मृति चिन्ह, प्रशंसा-पत्र और उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

फतेहाबाद। शपथ लेते अरोडवंश महासभा के पदाधिकारी।

अरोड़वंश महासभा में मनाई महाराजा अरूट जयंती

फतेहाबाद। महाराजा अरूट जयंती पर अरोड़वंश महासभा द्वारा अरोड़वंश धर्मशाला में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के प्रधान आजाद सचदेवा ने की। सर्वप्रथम सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने महाराजा अरूट की प्रतिमा पर माल्यार्पण का उन्हें नमन किया। इसके बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसके बाद सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। पूर्व अध्यक्ष मोहरीराम ग्रोवर ने नवनियुक्त वरिष्ठ उपप्रधान डॉ. गुलशन सेठी, उपप्रधान गुलशन मोंगा, सचिव एडवोकेट नरेश सचदेवा, सहसचिव केवल कृष्ण अरोड़ा, कोषाध्यक्ष हरप्रीत सिंह ग्रोवर को शपथ दिलवाई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष मदन ग्रोवर, संजीव मोंगा भी साथ मौजूद रहे। इस अवसर पर अरोड़वंश समाज के लोगों ने नवनियुक्त कार्यकारिणी को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

महारानी अहिल्याबाई होल्कर थी धर्म सेवा की प्रतिमूर्ति: साहुवाला

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सिरसा

लायंस क्लब सिरसा अमर के संस्थापक अध्यक्ष रमेश साहुवाला ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होलकर त्याग, धर्म और सेवा की प्रतिमूर्ति थी। साहुवाला शनिवार को स्थानीय मारुति मंदिर में महारानी अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वे हिन्दू मंदिरों एवं धर्मशालाओं की निर्माता एवं होलकर राजवंश की महिला शासक थी। उनकी 300वीं जयंती पर देशवासी उन्हें नमन करते हैं। स्वामी रमेश साहुवाला ने कहा कि महारानी अहिल्या बाई होलकर एक महान वीरांगना थी तथा उनका सनातन संस्कृति के संरक्षण में अतुलनीय योगदान रहा था और उन्होंने समाज में शिक्षा के विस्तार और नारी सशक्तिकरण के कार्य किए।

जिला जेल में कैदियों ने किया योगाभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सिरसा

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर शनिवार जिला जेल में योगाभ्यास किया गया। कार्यक्रम में लगभग 900 कैदियों के साथ जेल अधीक्षक जसवंत सिंह व जेल के अन्य कर्मचारी अधिकारियों ने भी भाग लिया जिसमें जिला योग समन्वयक डॉ. सुरेंद्रपाल नागर ने सर्व प्रथम प्रार्थना से प्रारंभ करवाते हुए यौगिक सूक्ष्म क्रियाओं में ग्रीवा संचालन, स्कंध संचालन, कटि संचालन, घुटना संचालन, योगासनों में ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्ध चक्रासन, त्रिकोणासन, बैठकर करने वाले अभ्यासों में भद्रासन, व्रजासन, अर्ध उष्ट्रासन, शशांकासन, उत्तान मंडूकासन, वक्रासन पेट के बल लेटकर करने वाले अभ्यासों में मकरासन,भुजंगासन, शलभासन पीठ के बल लेटकर करने वाले अभ्यासों में सेतुबंध, उत्तानपाद, अर्धहलासन, पवन मुक्तासन व शवासन ओर प्राणायाम के अभ्यासों में कपालभाति (शुद्धि क्रिया), नाड़ी शोधन, शीतली प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम और इसके पश्चात ध्यान का अभ्यास करवाते हुए शांति पाठ के साथ योग सत्र का समापन किया।

भजन कीर्तन का मार्ग ही उत्तम मार्ग: कथाव्यास तिवाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| ऐलनाबाद

गांव तलवाडा झील के श्री देव मंदिर प्रांगण में चल रही पांच दिवसीय संगीतमय श्री श्याम कथा आज चौथे दिन भी जारी रही।

कथाव्यास पंडित अमित तिवाड़ी ने कहा कि बर्बरीक ने भगवान श्री कृष्ण से पूछा कि जीवन का कल्याण कैसे हो सकता है? एक निर्बल अपने परिवार का कल्याण कर सकता है? भगवान श्री कृष्ण ने बर्बरीक को कल्याण का मार्ग बताया। भगवान ने बर्बरीक को धन धान्य दे कर वहां से विदा किया और उसे महिसागर संगम भेजा। उन्होंने वहां उसे देवी की आराधना कर बल अर्जित करने को कहा। भगवान श्री कृष्ण के आदेशानुसार बर्बरीक ने महिसागर संगम पहुंच कर तीन साल तक देवियो की पूजा की। प्रसन्न होकर देवी माँ उन्हें वरदान देती है। वे उनसे वही रुकने का हुकम देती है और कहती है कि थोडे दिनों बाद वहां एक ब्राह्मण आयेगे। तुम्हें पूजा में उनकी रक्षा करनी है। कथाव्यास पंडित अमित तिवाड़ी ने कथा के दौरान श्याम प्रेमियों को बताया कि हमें अपने अपने वर्ण के हिसाब से धर्मपूर्वक रहना चाहिए। हमारे लिए भजन कीर्तन का मार्ग ही उत्तम मार्ग है। कथा के दौरान प्रसिद्ध भजन गायक सिकन्दर सागर व रामनिवास रसिया ने भी अपनी मधुर वाणी में एक से बढक़र एक मधुर भजन गाए।

सिरसा। गांव तलवाडा झील में कथा करते पंडित अमित तिवाड़ी।

सुनील जांगड़ा सर्वसम्मति से बने एसएमसी कमेटी के अध्यक्ष

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथूसरी चोपटा की विद्यालय प्रबंधन समिति का चुनाव हुआ जिसमें सुनील कुमार जांगड़ा को सर्वसम्मति से स्कूल प्रबंधन समिति का अध्यक्ष चुना गया तथा इंदिरा देवी को उपाध्यक्ष के पद पर चुना गया। सुनील कुमार जांगड़ा स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष ने सभी स्टाफ सदस्यों तथा स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रीतिभोज का आयोजन किया। इस दौरान उनकी माता राजबाला देवी, उनके अनुज दिनेश कुमार जांगड़ा तथा अन्य परिवार के सदस्य उपस्थित थे। सुनील कुमार तथा उनके भाई अनुज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे पहले प्रबंधन समितियों ने कार्य किया है, वैसे ही यह समिति भी और बढ़-चढक़र आगे कार्य करवाएगी। इस दौरान प्राचार्य रामेश्वर दास भादू ने स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार जांगड़ा का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य कुलदीप दलाल, अनीता देवी स्टाफ प्रतिनिधि के तौर पर, कुलवंत सिंह समाजसेवी तथा डॉ. परमानंद समिति के सदस्य और ग्राम पंचायत के पंच रुचि रानी तथा प्रबंध समिति के सदस्यों में राजेंद्र कुमार सोनी आदि मौजूद रहे।

बरसीन स्कूल में बोर्ड परीक्षाओं में मैरिट हासिल करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित

फतेहाबाद। गांव बरसीन स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्या सुनीता की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के तौर पर खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रमुख शिक्षाविद् सर्वजीत मान, जिला परिषद चेयरमैन प्रतिनिधि सुभाष खिचड़, प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार, सेवानिवृत सतबीर सिंह, सरपंच विकास कुमार कम्बोज, पूर्व सरपंच रोशन लाल एवं एसएमसी अध्यक्ष मंजू विशेष तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम में कक्षा दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में मैरिट हासिल करने वाले स्कूल के विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार व अन्य अतिथियों ने शानदार परिणाम के लिए स्कूल के विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को बधाई दी और बच्चों को पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कारगिल युद्ध के शहीद कृष्ण कुमार को ग्रामीणों और परिजनों ने किया नमन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| चोपटा

कारगिल युद्ध के शहीद कृष्ण कुमार के पैतृक गांव तरकांवाली में शहादत दिवस पर शहीदी स्मारक पर ग्रामीणों व परिजनों ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। लेकिन शहीद को श्रद्धांजलि देने सरकार व प्रशासन की ओर से कोई भी अधिकारी या नेता नहीं पहुंचा। बलजीत सिंह, बलराम कासनियां, सुभाष बैनीवाल, संदीप सहित कई ग्रामीणों व परिजनों ने शहीदी स्मारक पर शहीद कृष्ण कुमार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। गांव तरकांवाली में अमर कारगिल शहीद कृष्ण कुमार का 26वां शहादत दिवस मनाया गया। जिसमें अमर शहीद सम्मान संगठन से कुलवंत, मनीष, इंद्रपाल, प्रवीण, अजय और ग्रामीणों ने स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की और राहगीरों और आए हुए मेहमानों के लिए मीठे पानी की सेवा की।उन्होंने कहा कि हमें शहीद कृष्ण कुमार की शहादत पर गर्व है लेकिन एक बात का मलाल रहता है कि शहादत दिवस पर सरकार व प्रशासन की तरफ से कभी भी कोई अधिकारी या कर्मचारी श्रद्धांजलि देने नहीं पहुंचता।

30 मई 1990 को शहीद हुए थे बहादुर सिपाही कृष्ण कुमार

गौरतलब है कि भारतीय सेना में 17वीं में जाट रेजीमेंट का बहादुर सिपाही कृष्ण कुमार निवासी तरकांवाली जिला सिरसा कारगिल की सबसे दुर्गम चोटी टाइगर हिल्स पर दुश्मनों से लोहा लेते हुए 30 मई 1999 को शहीद हो गया था। लेकिन अपनी बहादुरी के बल पर 8 सैनिकों को मौत की नींद सुला दिया था। भीषण गोलीबारी और सर्दी के कारण सेना कृष्ण का पार्थिव शरीर बरामद नहीं कर पाई थी 45 दिन बाद बर्फ में शहीद का शव मिल गया जिसे लेकर भारतीय सेना के जवान 16 जुलाई को गांव पहुंचे और पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया। शहीद कृष्ण कुमार की सेना में पहली नियुक्ति श्रीनगर में हुई थी और अंत तक वही रहे सैनिक के साथ-साथ अच्छे वालीवाल खिलाड़ी के रूप में ग्रामीण उन्हें याद करते हैं।

खबर संक्षेप

कोचिंग सेंटर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। डबवाली रोड स्थित कोचिंग सेंटर के बाहर से चोर बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में गांव दरियापुर निवासी अजीत सिंह ने बताया कि डबवाली रोड स्थित कोचिंग सेंटर से वह कोचिंग ले रहा है। बीती 29 मई को वह बाइक कोचिंग सेंटर के बाहर खड़ी कर अंदर चला गया। कुछ देर बाद आया तो बाइक गायब मिली।

मकान से आभूषण व सामान चोरी, केस

सिरसा। जिला के गांव बणी में एक बंद मकान से चोर चांदी के आभूषण व कबाड़ का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में महिला पूनम ने बताया कि वह मायके में शादी समारोह में गई थी। इसी दौरान पीछे से किसी ने उसकी अलमारी से चांदी का एक कड़ा व एक बाजूबंद तथा घर में पड़ा कुछ कबाड़ का सामान चोरी कर लिया। जब उसने वापस आकर अलमारी में गहने संभाले तो दोनों गायब मिले और कबाड़ का सामान भी नहीं मिला। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

खेत में बने कमरे से सामान चोरी, केस

सिरसा। जिला के गांव मोडियाखेड़ा में चोर एक किसान के खेतों में बने कमरे से हजारों रुपए का सामान चोरी कर ले गए। पुलिस को दी शिकायत में राजपाल ने बताया कि उसने पंचायती जमीन ठेके पर ली हुई है। खेतों में उसने सामान रखने के लिए एक कमरा बनाया हुआ है।

मोबाइल स्नैचिंग का आरोपी काबू, केस

डबवाली। शहर थाना डबवाली की गोल बाजार चौकी पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग के मामले में आरोपी को काबू किया है। पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी प्रवीण कुमार पुत्र सोनू निवासी खुडिया महासिंह थाना लंबी पंजाब को वारदात में प्रयोगशुदा बाइक सहित काबू कर जेल भेजने में कामयाबी हासिल की है। साथ ही छीना हुआ मोबाइल को भी बरामद किया गया है।

मारपीट के आरोप में तीन गिरफ्तार, केस

भूना। भुना पुलिस ने मारपीट के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच में शामिल किया है। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान अक्षय पुत्र कालाराम, सन्नी पुत्र प्रताप और राकेश पुत्र ओमाराम निवासी गोरखपुर के रूप में हुई है। आरोपियों को विधिक प्रक्रिया के तहत जमानत पर रिहा कर दिया गया है।

हेरोइन तस्करी मामले में महिला सहित दो काबू

फतेहाबाद। जाखल पुलिस को चूहड़पुर से हेरोइन तस्करी के एक मामले में महिला सप्लायर के अलावा एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सीता रानी पत्नी रिंकू और रिंकू पुत्र जोगिंदर सिंह दोनों निवासी चूहड़पुर, के रूप में हुई है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर हुआ कार्यक्रम

विद्यार्थियों ने पेंटिंग बनाकर समाज को नशे के खिलाफ किया जागरूक

- राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां में जागरूकता कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग गतिविधियों से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने सुंदर-सुंदर चित्र बनाकर तंबाकू और नशे के विरुद्ध एक सशक्त संदेश दिया। चित्रकला प्रदर्शनी के माध्यम से बच्चों ने समाज को नशामुक्ति की ओर प्रेरित करने का प्रयास किया। प्रार्थना सभा में मुख्य वक्ता के रूप में प्रवक्ता नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा कि नशा हमारे जीवन का नाश करता है। यदि हमें एक संतुलित, स्वस्थ और सफल जीवन जीना है तो नशे से दूरी बनाकर रखनी होगी। उन्होंने तंबाकू, सिगरेट, शराब, गांजा, चिट्टा, हैरोइन आदि नशों के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इनकी आदत व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक और आर्थिक विनाश का कारण बनती है। उन्होंने कहा कि नशे की शुरुआत अक्सर प्रयोग या शौक के रूप में होती है, परंतु समय के साथ यह लत बन जाती है, जो व्यक्ति को उसके परिवार, पढ़ाई और भविष्य से दूर कर देती है।

उन्होंने विद्यार्थियों को संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और सकारात्मक सोच अपनाने की प्रेरणा दी। विद्यालय के प्रधानाचार्य शुभकरण शर्मा ने कहा कि नशे से जितना दूर रहेंगे, पढ़ाई और उज्जवल भविष्य के उतने ही करीब जाएंगे। उन्होंने मोबाइल की लत को भी आधुनिक नशे का एक रूप बताते हुए कहा कि यदि हम मोबाइल का सदुपयोग करें तो वह ज्ञान का स्त्रोत है, किंतु दुरुपयोग विनाश का कारण बन सकता है। इस अवसर पर प्रकाश सिंह, मनीष मेहता, भारत भूषण, रोहित, सुखविंद्र सिंह, प्रदीप, प्रिंस छाबड़ा, विनीत बजाज, प्रवीण कुमार, रोहताश कुमार, भूपेंद्र सिंह, सुरेंद्र शास्त्री, सुरेंद्र कुमार, सुखदेव सिंह, रितु, सुनीता कोहली, रचना मेहता, सरोज रानी आदि मौजूद थे।

सिरसा। चित्रों के माध्यम से नशे से बचने का संदेश देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

तंबाकू एक नशा नहीं, बल्कि धीमा जहर: कादियान

सिरसा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर भगत सिंह फाउंडेशन की अध्यक्ष रेणू कादियान ने युवाओं से कहा कि तंबाकू केवल एक नशा नहीं, बल्कि एक धीमा जहर है, जो शरीर को भीतर से खोखला कर देता है और युवा पीढ़ी के भविष्य को अंधकार में धकेलता है। उन्होंने कहा कि जिस हरियाणा की धरती ने देश को सैनिक, खिलाड़ी और वैज्ञानिक दिए हैं, वहां तंबाकू जैसे नशे का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह दिन सिर्फ जागरूकता का नहीं, बल्कि आत्म संकल्प का दिन है। कादियान ने युवाओं से अपील की कि वे तंबाकू से दूरी बनाएं और नशे से मुक्त हरियाणा के निर्माण में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि आज अगर एक युवा तंबाकू छोडने का प्रण लेता है, तो न केवल वह खुद को बचाता है बल्कि अपने पूरे परिवार को भी तिल-तिलकर टूटने से रोकता है। उन्होंने बताया कि भगत सिंह फाउंडेशन द्वारा हरियाणा के सभी जिलों में समय-समय पर नशामुक्ति अभियान, जागरूकता रैलियां और युवाओं के लिए प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन अभियानों में युवाओं की भागीदारी यह सिद्ध करती है कि हरियाणा की नई पीढ़ी नशे के खिलाफ खड़ी है। उन्होंने कहा कि तंबाकू से होने वाली बीमारियां न केवल व्यक्ति को शारीरिक रूप से कमजोर करती हैं, बल्कि आर्थिक रूप से भी एक पूरे परिवार पर बोझ डाल देती हैं, इसलिए इस बुराई को जड़ से मिटाना समय की मांग है।

सीवर का होगा पुर्ननिर्माण 14.88 करोड़ होंगे खर्च

- शहर में करोड़ों की लागत से होंगे विकास कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद शहर में 4356.64 लाख रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य करवाए जाएंगे, जिनका टेंडर 12 जून को निकाला जाएगा। यह जानकारी पूर्व विधायक दुड़ाराम ने दी। बता दें कि दुड़ाराम ने अपने विधायक रहते आयोजित जनसम्पर्क कार्यक्रमों में नागरिकों से संवाद करते हुए इन समस्याओं को नोट कर सरकार को अवगत करवाया था। काफी समय बाद उनकी इन मांगों को सरकार ने स्वीकार किया है और 12 जून को विभिन्न विकास कार्यों के लिए टैंडर निकाले जाएंगे। पूर्व विधायक दुड़ाराम ने बताया कि फतेहाबाद टाउन में नगर परिषद के अंतर्गत नए अनुमोदित क्षेत्रों में सीवर लाइन बिछाने का कार्य प्रस्तावित है। साथ ही मौजूदा सीवरेज योजना को सुदृढ़ बनाया जाएगा। इसके अंतर्गत जवाहर चौक से ओल्ड डिस्पोजल तक मौजूदा 900 और 600 एमएम ब्रिक सीवर का पुर्ननिर्माण किया जाएगा। इस कार्य पर कुल 14.88 करोड़ रुपये की लागत अनुमानित है। इसके अलावा शहर के अन्य क्षेत्रों में भी मौजूदा सीवरेज नेटवर्क को मजबूत करने तथा नए क्षेत्रों में सीवर लाइन बिछाने का काम किया जाएगा। इसके तहत इंटरसेप्टर पंपिंग स्टेशन का निर्माण भी शामिल है, जिसमें कलेक्टिंग टैंक, पंप चैंबर, बाउंड्री वॉल, स्टाफ क्वार्टर, राइजिंग मेन लाइन, डीजी सेट, इलेक्ट्रिक ट्रांसफार्मर, पंपिंग मशीनरी, टॉयलेट ब्लॉक, मैनहोल एवं अन्य आकस्मिक निर्माण कार्य होंगे। इन समस्त कार्यों पर अनुमानित 28.67 करोड़ लाख रुपये की राशि व्यय की जाएगी। पूर्व विधायक ने विश्वास जताया कि इन विकास कार्यों के पूरा होने के बाद फतेहाबाद शहर की सीवरेज व्यवस्था अत्याधुनिक होगी और नागरिकों को स्वच्छता, जल निकासी सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह परियोजना नगर की आधारभूत संरचना को नई दिशा प्रदान करेगी। इसके अलावा स्वामी नगर और जंडी मोहल्ले में बहुत समय से जलभराव की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया।

रतिया क्षेत्र से कॉलेज छात्रा लापता, केस दर्ज

फतेहाबाद। जिले के रतिया क्षेत्र से एक छात्रा के लापता होने का समाचार है। इस बारे परिजनों द्वारा पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई गई है। पुलिस को दी शिकायत में गांव सुखमनपुर निवासी एक युवक ने कहा है कि उसकी 23 साल की बहन जाखनदादी कॉलेज में पढ़ती है। गत दिवस रात को उसकी बहन बिना बताए एक गाड़ी में बैठकर कहीं चली गई और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है। पर पर उन्होंने काफी जगह उसकी तलाश की की लेकिन जब उसका कहीं कुछ पता नहीं चला तो उसने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में रतिया पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है।

अपेक्स कॉन्वेंट के बच्चों ने की मस्ती

- विद्यार्थियों के मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धक के लिए कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल द्वारा कक्षा तीन से कक्षा 11वीं तक के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय मनोरंजन एवं ज्ञानवर्धक भ्रमण का आयोजन किया गया। यह यात्रा हरियाणा के प्रसिद्ध एमजी हेरिटेज एंड वॉटर पार्क, हिसार में सम्पन्न हुई। इस यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ मनोरंजन और सामाजिक सहभागिता का अवसर प्रदान करना था। विद्यार्थियों को भ्रमण स्थल पर विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ। क्रिकेट, बैडमिंटन, रस्साकशी, मटका रेस, ऊँट की सवारी, कठपुतली नृत्य, डीजे डांस, सेल्फी प्वाइंट, ज़िपलाइन, म्यूजियम दर्शन, जलक्रीड़ा जैसी अनेक मनोरंजक गतिविधियों ने बच्चों को अत्यंत आनंदित किया। विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्वादिष्ट नाश्ते का प्रबंध किया था।

फतेहाबाद। टूर के दौरान मस्ती करते अपेक्स कॉन्वेंट स्कूल के विद्यार्थी।

किसानों को दी योजनाओं की जानकारी

- विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

कृषि संकल्प अभियान के तहत शनिवार को जिला के विभिन्न गांवों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। गांव खैरेकां, मीरपुर, झोपड़ा, मल्लेवाला, बुढ़ाभाना, बप्प, हुमायुखेड़ा, पट्टीकृपाल और मौजूखेड़ा में विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में विभिन्न कृषि और पशुपालन विशेषज्ञों ने भाग लिया और किसानों को उन्नत खेती तथा पशुपालन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम में केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान से डॉ. ऋषि और डॉ. अमरप्रीत सिंह, केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान से डॉ. जीराम, कृषि विज्ञान केन्द्र सिरसा से डॉ. सुनील बेनिवाल व डॉ. मदन, राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल से डॉ. चांदराम व डॉ. आशीष तथा बागवानी विभाग, बड़ागुढ़ा से डॉ. सीमा कंबोज शामिल हुए। डॉ. ऋषि ने किसानों को देशी कपास और बी.टी. नरमा में लगने वाले गुलाबी सुंडी और सफेद मक्खी जैसे कीटों की रोकथाम के उपाय बताए।

उन्होंने पीले स्टिकी ट्रैप व फेरोमोन ट्रैप के प्रयोग और नीम आधारित स्प्रे के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे कृषि अधिकारियों से समय-समय पर संपर्क कर नवीनतम जानकारी प्राप्त करें।

सिरसा। किसानों को जागरूक करते कृषि विशेषज्ञ।

पशुपालकों को दिए टिप्स

पशुपालन विभाग के चिकित्सकों ने पशुओं के लिए संतुलित आहार, कृत्रिम गर्भाधान से उत्तम नस्ल प्राप्त करने और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इसके साथ ही, थनैला और मुंहखुर जैसे रोगों की रोकथाम पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। कृषि विज्ञान केन्द्र के विशेषज्ञों ने मूंग व धान फसल की बीमारियों और सीधी बिजाई की तकनीकों की जानकारी दी। वहीं, बागवानी विभाग ने फलों व सब्जियों पर मिलने वाले सरकारी अनुदान, मधुमक्खी पालन और मशरूम कल्चर पर किसानों को प्रशिक्षित किया। जिला मत्स्य अधिकारी डॉ. जगदीश चंद्र ने किसानों को गांव के तालाबों और अन्य जल स्रोतों में मछली पालन की संभावनाओं और लाभ के बारे में बताया।

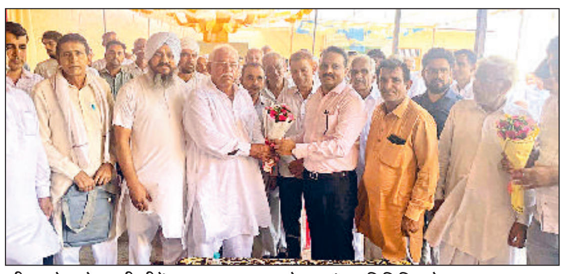
सीएम के ओएसडी बीरेंद्र का स्वागत करते सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश व अन्य।

बकरियांवाली के सरपंच के घर पहुंचे सीएम के ओएसडी बीरेंद्र बढखालसा

सिरसा। मुख्यमंत्री के ओएसडी बीरेंद्र बढख़ालसा गांव बकरियांवाली के सरपंच विद्या देवी के घर पहुंचे जहां परिवार के लोगों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान ओएसडी बीरेंद्र बढख़ालसा ने सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश कासनियां को आश्वस्त किया कि गांव के विकास में सरकार की ओर से कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि बीरेंद्र बढख़ालसा नाथूसरी चौपटा में सेमग्रस्त क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे थे। इस दौरान वे सरपंच विद्या देवी के घर भी पहुंचे और सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश से आदि से बातचीत की। इस मौके पर गुडियाखेड़ा के सरपंच प्रतिनिधि बीर सिंह, नरेश सहारण, विनोद कासनिया व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आर्यभट्ट स्कूल में समर कैंप का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

बीघड़ रोड स्थित आर्यभट्ट स्कूल में तीन दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का समापन शनिवार को हुआ। तीन दिन चले शिविर में प्री प्राईमरी से लेकर दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न एक्टिविटी का आयोजन किया गया। प्रिंसीपल दीपिका झांब ने बताया कि कैंप के पहले दिन प्री प्राईमरी के बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न भूमिका में आकर बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। कक्षा पहली से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी और इंग्लिश श्रुतलेख प्रतियोगिता और न्यूजपेपर रीडिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कैंप के दूसरे दिन प्री प्राईमरी के बच्चों के लिए केट वॉक और टाईगर वॉक शो का आयोजन किया गया। पांचवीं से लेकर आठवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए कुकिंग विदआउट फायर प्रतियोगिता और नौवीं व दसवीं के विद्यार्थियों के लिए रॉक एन रोल का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कैंप के तीसरे दिन प्री प्राईमरी के विद्यार्थियों ने रोचक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।

फतेहाबाद। आर्यभट्ट स्कूल में आयोजित समर कैम्प में भाग लेते विद्यार्थी।

मार्केट न्यूज

तनिष्क शोरूम में एलान कलेक्शन का भव्य शुभारंभ व डायमंड अवेयरनेस सेशन का आयोजन

सिरसा। मई-आज तनिष्क ने अपनी न्यू कलेक्शन ELAN का भव्य शुभारंभ किया। इस विशेष अवसर पर तनिष्क सिरसा शोरूम के मैनेजर ने ग्राहकों के लिए डायमंड अवेयरनेस सेशन का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने डायमंड की गुणवत्ता, कट, क्लैरिटी और वैल्यू से जुड़ी अहम जानकारियां दी गई हीरे की पहचान करने के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण चीज है। उनको आधुनिक उपकरणों का उपयोग करने जैसे कि माइक्रोस्कोप मशीन से हीरे की पहचान करना बताया गया, जिससे ग्राहक को पहली बार हीरे की पहचान करने का एहसास मिला। इस आयोजन में रिबन काटकर संग्रह को लॉन्च किया गया और मेहमानों को शानदार रेड कार्पेट वेलकम दिया गया।जो हमेशा उनके लिए यादगार बना रहेगा। तनिष्क सिरसा मैनेजर ने ग्राहकों के आने के लिए धन्यवाद दिया।

चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

डीएसपी रोड स्थित एक मकान से नकदी व गहने चोरी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए शहर फतेहाबाद पुलिस ने तीन दिनों में वारदात को सुलझाते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान बंटी उर्फ सुखा पुत्र जंग बहादुर निवासी वार्ड नं. 3, अशोक नगर फतेहाबाद हाल निवासी बरसीन व हिमांशु उर्फ चंपू पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी अशोक नगर, हाल राजपूत जीरा, लेमन वाली गली, डीएसपी रोड, फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी ओमप्रकाश ने बताया कि इस बारे पुलिस ने रामपुरा मोहल्ला, डीएसपी रोड निवासी सुरेन्द्र कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार 26-27 मई की रात को अज्ञात चोर उसके मकान का ताला तोडक़र अंदर जा घुसे और वहां से आटा ड्रम में रखी 45 हजार की नकदी, अलमारी में रखी 65 हजार नकदी व सवा तोले सोने के गहने चोरी कर ले गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए शिकायत के आधार पर आरोपियों को दबोचा।

फतेहाबाद। पुलिस गिरफ्त में चोरी के आरोप में पकड़े गए दोनों युवक।

मातृशक्ति संगोष्ठी में गूंजा राष्ट्रवाद, 'ऑपरेशन सिंदूर' पर चर्चा

सैन्य अभियान देश की आत्मा का प्रतिशोध : ज्योत्सना

- कार्यक्रम में 400 से ज्यादा महिलाओं ने हिस्सा लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

देशभक्ति, मातृशक्ति और सुरक्षा चिंतन को समर्पित 'मातृशक्ति संगोष्ठी- ऑपरेशन सिंदूर' का आयोजन डीपीआरसी हॉल में किया गया। कार्यक्रम में जिले की 400 से ज्यादा जागरूक महिलाओं ने भाग लेकर एकता, शौर्य और भारतीय संस्कृति के प्रतीकों का उत्सव मनाया। इस संगोष्ठी की मुख्य वक्ता के रूप में ज्योत्सना बिश्नोई, जिला संयोजिका, महिला समन्वय कार्य फतेहाबाद ने अपने भाषण में ऑपरेशन सिंदूर को हाल ही में पहलगांव आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना द्वारा की गई निर्णायक सैन्य कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य रणनीति नहीं, भारत की आत्मा का प्रतिशोध है। जब हमारे जवानों पर कायराना हमला हुआ, तब भारत की सेना ने दुश्मन की धरती पर घुसकर आतंक के अड्डों को ध्वस्त कर दिया। ये कार्रवाई यह संदेश देती है कि अब भारत माफ नहीं करता, अब भारत मुंहतोड़ जवाब देता है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को नारीशक्ति और मातृभूमि के सम्मान से जोड़ते हुए कहा कि आज भारत की महिलाएं भी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। हम न सिर्फ बेटों को वीर बना रही हैं, बल्कि खुद भी राष्ट्र रक्षा की भावना से ओतप्रोत हैं। इस अवसर पर गीता, किरण, नीलांशी, सविता, श्रुति मोंगा, बीबो इंदौरा, नीलम, संगीता प्रणामी, सुशीला सहारण, किरण भूना, रामलेखा भी मौजूद रही।

फतेहाबाद। मातृशक्ति संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य वक्ता। *फोटो: हरिभूमि*

सेनाओं के शौर्य को किया नमन

कार्यक्रम के समापन पर अध्यक्ष जिला परिषद फतेहाबाद, अधिवक्ता सुमन खीचड़ ने देश की सेना को नमन करते हुए कहा कि भारत की सेना ने जिस बहादुरी से ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, वह हर भारतीय के रगों में लहू नहीं, ज्वाला भर देता है। भारत सरकार द्वारा आतंकवाद पर लिए गए मजबूत निर्णयों ने विश्व में एक स्पष्ट संदेश भेजा है कि अब भारत सहन नहीं करता, भारत निर्णायक है। हम ऐसे हर साहसी कदम के साथ हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डॉ. ज्योति शर्मा, विशिष्ट अतिथि अपेक्स स्कूल फतेहाबाद की निदेशक स्पर्श चराइपोत्रा रही।

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

विशेषः विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

कवर स्टोरी
अपराजिता

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चरः ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहें: आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरतः बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियांः भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरीडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीकेः ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगरः बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदानः मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारणः मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़, लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारणः देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभावः यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होनाः कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलावः मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशिस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्नः ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकारः भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती हैं। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजाः देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता हे। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सवः वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुंलाचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्वः प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

कविता
अलका सोनी

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
उसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

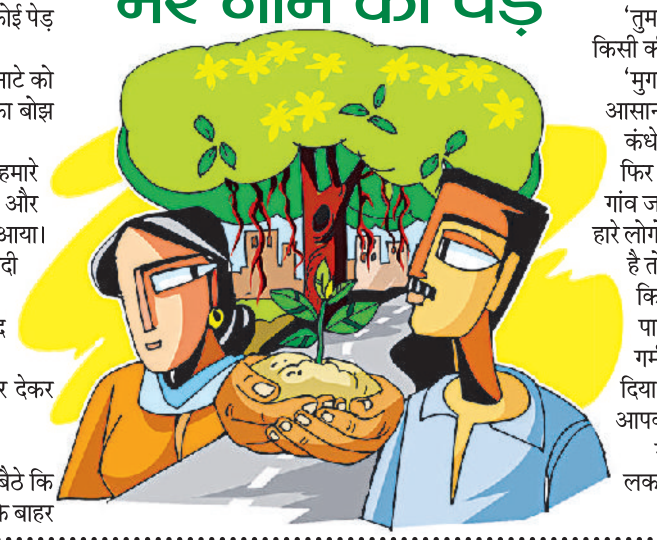

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

विज्ञापन

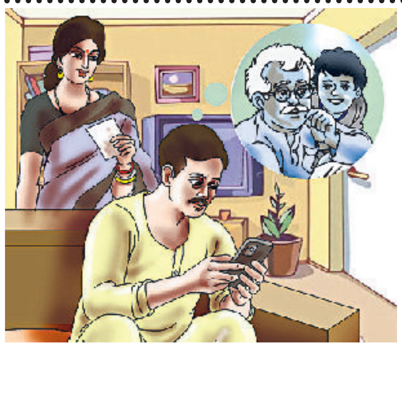

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं। विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

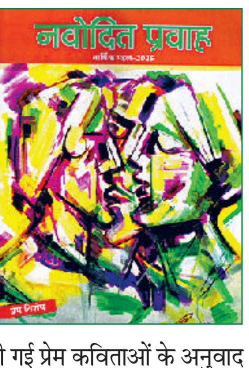

पत्रिकाः नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादकः** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्यः** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालयः** देहरादून, उत्तराखंड

इन गर्मी की छुट्टियों को बिताने के लिए अगर आप किसी प्राकृतिक, शांत, सुरम्य स्थान पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां आपको ऐतिहासिक मंदिर, प्राकृतिक झीलों के साथ-साथ कई मनोरम नजारे देखने को मिलेंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य-आध्यात्मिक सुकून का संगम माउंट आबू

सैर-सपाटा
अंशु सिंह

प्राकृतिक सुंदरता और अध्यात्म का अनुपम संगम स्थल है राजस्थान का हिल स्टेशन माउंट आबू। मरुस्थल की वीरानियत में एक शीतल तपोभूमि, जहां बिखरी है अरावली की हरियाली। फैला है, नक्की झील का अप्रतिम सौंदर्य। प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन, जिसका कण-कण कर लेता है सम्मोहित। गर्मी हो, सर्दी या हो बरसात, माउंट आबू में हर मौसम का है अपना अलग आनंद...।

अरावली के मध्य बसा: अरावली पर्वत श्रंखला के मध्य में बसे माउंट आबू में प्रकृति का जनमानस के साथ कुछ ऐसा सामंजस्य स्थापित है कि 'अद्भुत' के अतिरिक्त अन्य शब्द नहीं सूझता। यहां के वायुमंडल में ही पसरी है सुकून और शांति। मौसम का ताप भी मनोनुकूल नर्म है। रेगिस्तानी राज्य के अन्य हिस्सों की तरह गर्म नहीं है यह स्थान। आखिरकार, प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन जो है। सिरोही जिले में स्थित इस पठारी क्षेत्र को कुदरत ने नदी, झील, झरने सभी की सौगात दे रखी है। यह प्रदेश का सिरमौर है, जिसे भारत ही नहीं, संसार की प्राचीनतम पर्वत श्रंखलाओं में से एक अरावली, उत्तर से दक्षिण दो हिस्सों में विभाजित करती है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसे संवेदनशील क्षेत्र भी घोषित कर रखा है।

भारत की आध्यात्मिक भूमि: माउंट आबू ऐतिहासिक काल से ही अलग-अलग धर्मावलंबियों की कर्मभूमि और तपोभूमि रहा है। आज भी यह स्थान हिंदू और जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थस्थल है। कथानुसार, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर माउंट आबू आए थे, जिसके बाद से यह जैन अनुयायियों का विशेष तीर्थस्थान बन गया है। माउंट आबू का प्राचीन नाम अर्बुदांचल है। पुराणों में इसका उल्लेख अर्बुदा अरण्य (अर्थात अर्बुदा के वन) के नाम से भी मिलता है। बाद में यही 'अर्बुदा', 'आबू' में परिवर्तित हो गया। ऐसी मान्यता है कि ऋषि वशिष्ठ का जब विश्वामित्र से मतभेद हो गया था, तब वे माउंट आबू के दक्षिणी भाग में आकर बस गए थे। उन्होंने पृथ्वी से असुरों के विनाश के लिए यहां यज्ञ का आयोजन भी किया था। इनके अलावा, आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय भी यहां स्थित है।

मनमोहक नक्की झील: पहाड़ों की छांव और अरावली की हरियाली के मध्य मचलती अति रमणीय नक्की झील को माउंट आबू का दिल कहा जाता है। 11000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ढाई किलोमीटर लंबी यह झील कौतूहल पैदा करती है। एक किंवदंती के अनुसार, रसिया बालम नामक शिल्पकार और तत्कालीन राजा की बेटी एक-दूजे से प्रेम करते थे। लेकिन राजा की शर्त थी कि अगर शिल्पकार एक रात में झील की खुदाई कर देता है, तो वह अपनी पुत्री उससे ब्याह देंगे। रसिया ने यह चमत्कार कर दिखाया। हालांकि बाद में राजा ने अपनी बेटी उसे देने से इंकार कर दिया। दूसरी कथा के अनुसार, देवताओं ने बाली राक्षस से रक्षा के लिए अपने नाखूनों से इस झील का निर्माण किया था। इसलिए इसका नाम नक्की झील पड़ा। गरासिया जनजाति के लिए यह पवित्र झील आस्था की प्रतीक है।

बहुत प्रसिद्ध है सनसेट प्वॉइंट: फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का एक खूबसूरत संवाद है, 'इस डूबते हुए सूरज ने हमें पहली बार मिलाया था। यही हमें एक दिन हमेशा के लिए मिला देगा।' अभिनेता आमिर खान और जूही चावला के इस संवाद में जिस 'डूबते हुए सूरज' का जिक्र हो रहा, वह यहीं माउंट आबू के सनसेट प्वाइंट पर शूट की गई थी। यहां पास ही में स्थित हनीमून प्वॉइंट नव विवाहितों का पसंदीदा स्थान है। माउंट आबू आने वाले पर्यटकों के लिए सनसेट प्वॉइंट रोमांच से भरपूर एक ऐसा मनोरम स्थल है, जहां से पल-पल रंग बदलते आकाश एवं बादलों की ओट में छिपते-ढलते सूर्य के विस्मयकारी दृश्य को देखा जा सकता है। यहां आने वाले पर्यटक इन नजारों को अपनी यादों के साथ-साथ अपने कैमरे में भी जरूर कैद करते हैं।

विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर: अपनी माउंट आबू यात्रा के दौरान आप दिलवाड़ा जैन मंदिर अवश्य जाएं। 11वीं से 13वीं शताब्दी के दौरान निर्मित दिलवाड़ा जैन मंदिर, जैन वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर का प्रवेशद्वार गुंबद वाले मंडप से होकर गुजरता है। सामने एक वर्गाकार भवन है, जिसमें छह स्तंभ और दस हाथियों की प्रतिमाएं हैं। पांच मंदिरों के इस समूह में विमल शाह द्वारा निर्माण कराया गया मंदिर, सबसे पुराना है, जो जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर को समर्पित है। इसके अलावा, 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित लून वासाही मंदिर भी दर्शनीय है। यहां एक अद्भुत देवरानी-जेठानी मंदिर भी है, जिसमें भगवान आदिनाथ एवं शांतिनाथ जी की मूर्तियां स्थापित हैं। संपूर्ण मंदिर एक प्रांगण के अंदर घिरा हुआ है, जिसमें छोटे स्तंभों की दोहरी पंक्तियां हैं। यहां फूल-पत्तियों और अन्य मोहक डिजाइनों से अलंकृत, नक्काशीदार छतें, पशु-पक्षियों की शानदार आकृतियां, सफेद स्तंभों पर बारीकी से उकेरी गई बेलें, जालीदार नक्काशी से सजे तोरण और जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं हैं।

पीस पार्क में प्रकृति का आनंद: ब्रह्मा कुमारी का पीस पार्क, विविध प्रजातियों के पेड़-पौधों के बीच आपको एक अलग ही जगत में होने का एहसास कराएगा। यहां फूलों के साथ-साथ फलों के भी उद्यान हैं। यहां गुलाब, नीबू, बांस समेत अनेक वृक्ष देखे जा सकते हैं। खूबसूरत रॉक गार्डन एवं अन्य लैंडस्केपिंग को देखना भी कम दिलचस्प नहीं है। पार्क में ध्यान के लिए विशेष कोना भी है। *

कैसे जाएं: माउंट आबू का सबसे निकटतम हवाई अड्डा उदयपुर 185 किलोमीटर, जबकि अहमदाबाद 235 किलोमीटर दूर है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन आबू रोड 28 किलोमीटर की दूरी पर है, जो अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर और जोधपुर से जुड़ा है। यह सड़क मार्ग से देश के सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा है। दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से माउंट आबू के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है। राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें दिल्ली के अलावा अन्य शहरों से माउंट आबू के लिए अपनी सेवाएं मुहैया कराती हैं।

कब जाएं: आप गर्मी या सर्दी कभी भी यहां जा सकते हैं। नवंबर से फरवरी के बीच यहां सर्दी का मौसम होता है। काफी पर्यटक आते हैं। इसके अलावा, अप्रैल से जून के बीच भी यहां घूमने जाया जा सकता है। अगर मानसून का मजा लेना है, तो जुलाई से सितंबर के महीने में यहां की योजना बना सकते हैं।

किसी को उबासी लेते देख आपको भी जम्हाई आने लगती है, है ना! वास्तव में कुछ आदतें, हरकतें या प्रतिक्रियाएं ऐसी होती हैं, जो किसी दूसरे को करते देख, ठीक वैसा ही करने के लिए हमारा भी मन मचल उठता है। ऐसा क्यों होता है, जानिए।

इन एक्टीविटीज को देख मन अपना भी मचलता है!

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

कई बार अनजाने में दूसरे की किसी एक्टिविटी को देखकर हम भी वैसा करने लगते हैं या वैसा करना चाहते हैं। व्यवहार विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कुछ ऐसी इश्यूज का पता लगाया है। आप भी इनके बारे में जानिए।

फ्रेंड जैसे सामान: 'जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस' में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक लोगों को उस चीज की सबसे ज्यादा चाह होने लगती है, जो उनके किसी प्रियजन या मित्र के पास हो। भले ही आपके पास पहले ही एक से एक टी-शर्ट, सलवार सूट या फुटवेयर हों, लेकिन फ्रेंड के पास कोई नया पेयर देखते हैं, तो आपका भी मन मचल उठता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हम किसी चीज के स्वामित्व को जब सेल्फ एस्टीम से जोड़कर देखने लगते हैं, तब ऐसी इच्छा जाग्रत हो जाती है।' कई बार हम इन चीजों को प्रेस्टीज इश्यू बना लेते हैं।

बालों पर हाथ फेरना: व्यक्तित्व विकास के विशेषज्ञ ग्लेन विल्सन ने अपनी किताब 'इंट्रोड्यूसिंग बॉडी लैंग्वेज: ए प्रैक्टिकल गाइड' में लिखा है कि दो व्यक्ति जब एक-दूसरे से व्यक्तिगत बातें कर रहे होते हैं, तो उनमें एक-दूसरे को देखकर अपने बालों में हाथ फेरने या अपने बालों से खेलने की इच्छा बलवती हो उठती है। इस स्थिति को मनोवैज्ञानिक 'सिंक्रोनी' या 'पोश्चरल ईको' कहते हैं। इनका कहना है कि हम अपने सोशल बिहेवियर का काफी कुछ अपने नजदीकी लोगों से देखकर सीखते हैं, इसलिए जाने-अनजाने में हम उनकी बॉडी लैंग्वेज की नकल कर बैठते हैं।

खुजली की तलब: एक अध्ययन के मुताबिक अपने सामने मौजूद किसी व्यक्ति को सिर या कान खुजलाते हुए देखने पर वहां मौजूद दूसरे लोगों को भी ऐसा करने की इच्छा करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हमारे अवचेतन मन में किसी को खुजली करते देख या जम्हाई लेते देख, ऐसा दोहराने की स्वाभाविक प्रवृति होती है। ऐसा ही किसी को पानी पीते देखकर या टॉयलेट के लिए उठता देखकर किसी सार्वजनिक स्थान (जैसे सिनेमा हॉल, क्लास रूम या स्टेडियम) में होता है।

खुद को बीमार महसूस करना: कभी आपके साथ ऐसा जरूर हुआ होगा कि आपके किसी मित्र ने अपनी बीमारी के कुछ लक्षण आपको बताएं हों और आपने भी वैसा ही महसूस किया हो। रिसर्च बताते हैं कि हम दूसरों से 'डर' बहुत जल्दी पिकअप कर लेते हैं। आपने देखा होगा कि कई बार लोग बिना कारण जाने ही कुछ लोगों को सड़क पर दौड़ते देख, खुद भी दौड़ने लगते हैं। पेनसिलवेनिया विवि के मनोवैज्ञानिक लौरेन नेपोलिटानो कहते हैं, 'आप एक साधारण उदाहरण से इसे समझ सकते हैं। किसी संगीत समारोह में बेहद तेज संगीत को जब आप दूसरों को एंज्वॉय करते देखते हैं, तो खुद भी इसे एंज्वॉय करने लायक समझते हैं लेकिन पांच-दस लोग इसके 'लाउड' होने की शिकायत करते हुए कान पर हाथ धरते दिख जाते हैं तो आप भी अपने कान ढंक लेते हैं।

तनाव महसूस करना: 'सोशल न्यूरोसाइंस' जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक सहकर्मी का तनाव देखकर अगल-बगल मौजूद दूसरे लोगों में भी स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होने लगता है। दूसरे को टेंशन या तकलीफ में देखकर दुखी या तनावग्रस्त होना मानवीय प्रवृति है। ठीक ऐसा ही क्रोध के मामले में भी होता है। दूसरे का क्रोध देखकर हम भी उत्तेजित हो जाते हैं और क्रोध भरे स्वर में बात करने लगते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कोंसिन-मेडिकल की शोधकर्ता एलिजाबेथ क्रुसमार्क के अनुसार, 'भावनात्मक संक्रामकता शरीर में घटित होने वाले केमिकल सिग्नल्स की वजह से उत्पन्न होती है। यही वजह है कि किसी को तनाव, क्रोध या बेचैनी में देखकर हम भी वैसा ही महसूस करने लगते हैं।'

कम या ज्यादा भोजन करना: कई अध्ययनों में पाया जा चुका है कि किसी रेस्तरां या पार्टी में आप अगर ज्यादा भोजन करने वाले लोगों के साथ हैं, तो आप भी ज्यादा मात्रा में भोजन कर लेते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में 12,000 से ज्यादा लोगों पर किए अध्ययन में पाया गया कि किसी समूह का एक व्यक्ति 'मोटा' हो जाए तो उसके नजदीकी लोगों में मोटापे की संभावना 57 फीसदी बढ़ जाती है। ठीक ऐसा ही सेहत के प्रति जागरूक और संयमित खान-पान करने वालों के साथ रहने से होता है। *

हंसना या मुस्कुराना

किसी सामूहिक कार्यक्रम के दौरान दूसरों को ठहाके मार कर देखना या एक व्यक्ति को मुस्कुराते हुए देखना स्वतः ही दूसरे लोगों को भी ठहाके मारने या मुस्कुराने के लिए प्रेरित कर देता है। खुशी या सकारात्मक प्रतिक्रिया भी उसी तरह दूसरों को प्रेरित करती है जैसे नेगेटिव एक्टिविटी करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं हर क्रिया की प्रतिक्रिया इंसानी स्वभाव है। अगर कोई व्यक्ति आपको देखकर अच्छी टिप्पणी करता है, खुश होता है या मुस्कुराता है, तो आप खुद-ब-खुद ऐसा करने लग जाते हैं।

अनेक अध्ययनों से साबित हुआ है कि हमारी लापरवाही से प्रदूषित हो रहे वातावरण से अनेक बीमारियां पनप रही हैं। हम अपने पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त बनाकर, सही जीवनशैली अपनाकर ही स्वस्थ रह सकते हैं। इसके लिए प्रयास हमें ही करने होंगे।

पर्यावरण बनाएं प्रदूषणमुक्त आप रहेंगे स्वस्थ-ऊर्जावान

दायित्व
डॉ. राकेश 'चक्र'

वर्षों से अनेक वैज्ञानिक अध्ययन इस बात को इंगित कर रहे हैं कि हम इंसान ही अपने पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि यह प्रवृत्ति हमें विनाश की ओर ले जा सकती है, प्रकृति और पर्यावरण के विरुद्ध गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली अपनाकर उसे प्रदूषित करते ही जा रहे हैं।

हमारी लापरवाही है जिम्मेदार: यह बहुत चिंता का विषय है कि हम अपनी रोजमर्रा की कार्यशैली से पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। हमने प्रकृति के पंच तत्वों-अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी और जल को प्रदूषित करके भारी नुकसान पहुंचाया है और निरंतर पहुंचाते ही जा रहे हैं। हालात यह हो चुके हैं कि पानी को आरओ से शुद्ध करके पीना पड़ रहा है या फिर फिल्टर्ड पानी की बोतल खरीदनी पड़ रही है। कैंसर के रोगियों में निरंतर वृद्धि हो ही रही है। पैदल चलना अब शान-शौकत के विरुद्ध माना जाता है। पचास-सौ मीटर के लिए भी वाहन का प्रयोग किया जाता है। इसी सुविधाभोगिता के चलते रोग और रोगियों का ग्राफ बढ़ रहा है।

हालात हो जाएंगे गंभीर: अगर हालात यही रहे, तब निकट भविष्य में हमें श्वास लेने के लिए हमेशा मास्क पहन कर चलना पड़ेगा। कदाचित अब जल्दी ही ऐसा भयावह समय आने वाला है कि हमें ऑक्सीजन का सिलेंडर साथ में लेकर चलना पड़ेगा, तब कहीं हम श्वास लेकर जीवित रहने के लिए संघर्ष कर पाएंगे। ऐसे में हमें चिंतन-मनन करना ही होगा कि हम किस दिशा और दशा की ओर बढ़ रहे हैं? इसमें सुधार के लिए पर्यावरण को स्वच्छ करने की शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। यह तभी हो सकता है, जब हम अपने मन से पूरी तरह संकल्पित हो जाएं।

ऐसे करें खुद से शुरुआत: आने वाली भयावह स्थितियों से बचने के लिए सबसे पहले तो हम अपनी दिनचर्या में ही आमूल-चूल परिवर्तन करें। आहार-विहार को प्रकृति के अनुकूल ढालें। सुविधाभोगिता की वस्तुओं का प्रयोग उतना ही करें, जितना अतिआवश्यक हो। अपने आस-पास तुलसी, मनीप्लांट, स्नेकप्लांट, नीम, पीपल आदि के पौधे अधिक से अधिक रोपें और देखभाल करें। सुविधाभोगिता में कटौती करके ही बिजली की बचत की जा सकती है। 'एसी संस्कृति' भयावह प्रदूषण की ओर ले जा रही है। हम न भूलें एसी में प्रयुक्त होने वाली गैस वातावरण को प्रदूषित करती है। इसलिए जहां तक संभव हो एसी का प्रयोग न करें या बहुत सीमित मात्रा में करें।

स्वच्छता का रखें ध्यान: अपने घर के आस-पास सड़क और पार्क की स्वच्छता का भी ध्यान रखें। घर की रसोई से निकलने वाले सब्जियों और फलों के छिलके, चाय पत्ती आदि का खाद बनाएं, वह आसानी से बन जाता है। इसका तरीका यही है कि छिलके आदि को खाली गमले, प्लास्टिक के कट्टे या अनुपयोगी बाल्टी, डब्बे आदि में भरते जाएं। जब वह आधा भर जाए तो उसमें ऊपर से मिट्टी भर दें। दो चार दिन थोड़ा-थोड़ा पानी डाल दें, मिट्टी के ऊपर कोई भी पौधा रोप दें। पौधा बढ़ता रहेगा और कचरा खाद में परिवर्तित होकर उपयोगी मिट्टी बनता रहेगा।

यथासंभव रोकें प्रदूषण: जरूरी नहीं कि कहीं भी जाने के लिए स्कूटर, बाइक या कार ही निकालें। आस-पास एक डेढ़ किलोमीटर की दूरी दस-पंद्रह मिनट पैदल चलकर तय कर सकते हैं। कुछ अधिक दूरी को साइकिल से भी पूरा कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भी रहेंगे।

जीवनशैली में करें सुधार: कूड़ा-करकट यथास्थान पर ही एकत्र करें, इधर-उधर न फेंकें। धूम्रपान, गुटखा और मद्यपान आदि से बचें। ये सिर्फ वातावरण को ही नहीं हमारे शरीर के तंत्र को भी प्रदूषित कर देते हैं। *

साल 1975 देश के लिए सामाजिक-राजनीतिक दृष्टि से उथल-पुथल भरा रहा। हिंदी सिनेमा के लिहाज से भी वह वर्ष अभूतपूर्व रहा। उस वर्ष आई उन तीन फिल्मों 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां' से जुड़ी कुछ रोचक बातों पर एक नजर, जिसने सफलता और कमाई के झंडे तो गाड़े ही, हिंदी सिनेमा को नई दिशा भी दी।

तीन ब्लॉक बस्टर फिल्मों के 50 साल शोले-दीवार-जय संतोषी मां

बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

अब से पचास साल पहले यानी वर्ष 1975 में सिल्वर स्क्रीन पर तीन ऐसी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, जिसने कमाई और कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित किए। आपातकाल का वह वर्ष देशवासियों की चेतना में, उनके जीवन में कई तरह के बदलाव लेकर आया। वहीं उस साल रिलीज हुई तीन सुपरहिट फिल्मों ने हिंदी सिने प्रेमियों को मनोरंजन और भक्ति का बेहतरीन तोहफा दिया। वह साल हिंदी फिल्म जगत के लिए मील के पत्थर की तरह रहा। उस साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली तीन फिल्में थीं- 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां'। 2025 इन तीनों ही फल्मों की रिलीज का स्वर्ण जयंती वर्ष है।

दीवार लिखी सफलता की नई इबारत

वर्ष 1975 में 24 जनवरी को फिल्म 'दीवार' रिलीज हुई। यह उस दौर में एक नई तरह की फिल्म थी। फिल्म का कथानक सामाजिक मुद्दों को उठाते हुए कुछ इस तरह से रचा गया था कि इसने गरीबी, अन्याय, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को विस्फोटक रूप से पेश किया। फिल्म में दो भाइयों के बीच खड़ी 'दीवार' ने दर्शकों को अपनी तरफ खूब खींचा। इसमें अमिताभ की 'एंग्री यंग मैन' इमेज के दर्शक कायल हो गए। सही अर्थों में इस फिल्म को न्यायप्रिय समाज का प्रतिबिंब कहा जा सकता है। 'दीवार' के डायलॉग्स आज भी सिने-प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। 'मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता', 'जाओ पहले उस आदमी के साइन लेकर आओ..' जैसे डायलॉग्स सुनते ही सिनेमाघरों में दर्शकों की सीटियां और तालियां गूंजने लगती थीं। अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले नायक के रूप में अमिताभ बच्चन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसी फिल्म में शशि कपूर का डायलॉग 'मेरे पास मां है' दर्शकों को इमोशनल कर जाता है।

शोले तोड़े कामयाबी के रिकॉर्ड

15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई 'शोले' को हिंदी फिल्म इतिहास के अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक के रूप में गिना जाता है। जब यह फिल्म रिलीज हुई तो इसके सफल होने पर ही लोग शक कर रहे थे। लेकिन इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म ने सौ सिनेमाघरों में अपनी रिलीज की सिल्वर जुबली और पचास से अधिक में गोल्डेन जुबली का रिकॉर्ड कायम किया। फिल्म निर्माण जगत में यह क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली फिल्म मानी जाती है। फिल्म का वह दृश्य जिसमें जय (अमिताभ) वीरू (धर्मेंद्र) को कारतूस लाने के लिए कहता है, उसमें सिक्के का एक ही पहलू अभी तक दर्शकों को रोमांचित कर देता है। जहां कहीं दोस्ती निभाने की बात आती है, वहां जय-वीरू और 'शोले' का सिक्का दर्शक नहीं भूलते हैं। जय का बसंती (हेमा मालिनी) से पूछना, 'तुम्हारा नाम क्या है बसंती?' वीरू का टंकी वाला सीन और 'सुसाइड' वाला डायलॉग। गब्बर (अमजद खान) के डायलॉग्स, 'कितने आदमी थे?', 'तेरा क्या होगा कालिया?', बसंती (हेमा मालिनी) का डायलॉग, 'चल धन्नो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है', ठाकुर (संजीव कुमार) पर फिल्माए गए दृश्य और संवाद। राधा (जया बच्चन) का चुलबुलापन और मौन। 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' (असरानी) और सूरमा भोपाली (जगदीप) के कॉमेडी सींस। फिल्म का एक-एक दृश्य, एक-एक पात्र, एक-एक डायलॉग, एक-एक गीत आज भी सिने प्रेमियों के जेहन में जीवंत है।

जय संतोषी मां जलाई भक्ति की अलख

'दीवार' और 'शोले' ने जहां हिंसा और बदले की भावना को प्रतिबिंबित किया, वहीं 'जय संतोषी मां' ने आस्था, भक्ति और विश्वास की जीत दिखाकर ब्लॉक बस्टर का तमगा हासिल किया। यह फिल्म 'शोले' के साथ ही यानी 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। सामूहिक परिवार की कहानी में भाइयों की आपसी खींचतान के साथ इस फिल्म ने धर्म तथा आस्था का बेजोड़ संगम प्रस्तुत किया। आस्था, विनम्र भक्ति में रची-बसी 'जय संतोषी मां' ने भक्ति फिल्मों के एक ऐसे युग की शुरुआत की, जिसको पचास साल बाद भी भारतीय फिल्म उद्योग और समाज मानक मानकर चलता है। फिल्म में भजन और आरती के समय दर्शक एक साथ खड़े हो जाया करते थे। फिल्म समीक्षक इस बात को प्रमुखता से इंगित करते हैं कि फिल्म की रिलीज के बाद समाज में संतोषी माता के प्रति आस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। फिल्म के भजन और आरती- 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'यहां-वहां, जहां-तहां, मत पूछो कहां-कहां', 'करती हूं तुम्हारे व्रत मैं', 'मदद करो संतोषी माता' भक्ति संगीत में मील के पत्थर बन चुके हैं। आज भी इस फिल्म के गीत घरों और मंदिरों में भक्तिभाव से गाए, बजाए और सुने जाते हैं। *